website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 337 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 13 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

एग्जिट पोल 2025: बिहार में NDA को स्पष्ट बहुमत

-महागठबंधन हुआ फेल — जन सुराज पार्टी रही हाशिये पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान समाप्त होते ही मंगलवार शाम एग्जिट पोल के नतीजे सामने आए। कुल 17 सर्वे एजेंसियों के पोल ऑफ पोल्स के अनुसार, बिहार में इस बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को स्पष्ट बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक 243 सीटों वाली विधानसभा में NDA को 154 सीटें, जबकि महागठबंधन को 83 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं अन्य दलों के खाते में 5 सीटें जाने की संभावना जताई गई है।

NDA को बड़ा फायदा, महागठबंधन पिछड़ा-

अगर यह अनुमान सही साबित होते हैं, तो इस चुनाव में NDA को लगभग 29 सीटों का फायदा मिलेगा। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में NDA को 125 सीटें मिली थीं, जबकि महागठबंधन को 110 सीटें हासिल हुई थीं। इस बार के रुझानों में महागठबंधन को करीब 27 सीटों का नुकसान होता दिख रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, इस बढ़त के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशासनिक छवि, और केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का असर अहम रहा है। इसके साथ ही महागठबंधन के भीतर चल रही अंतर्विरोध की राजनीति और नेतृत्व के असमंजस ने भी जनता को असमंजस में डाला।

भाजपा को सबसे ज्यादा सीटें, जेडीयू बनी निर्णायक सहयोगी-

एग्जिट पोल्स में यह बात साफ तौर पर उभरकर आई है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है। अनुमान के मुताबिक, भाजपा को 75 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, जेडीयू को 65 सीटों के आसपास बताया गया है। राजग (NDA) के घटक दलों — हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) और विकासशील इंसान पार्टी (VIP) — को मिलाकर शेष सीटें मिल सकती हैं। इससे गठबंधन को 154 के आसपास का आंकड़ा छूने की उम्मीद है, जो पूर्ण बहुमत (122) से काफी ऊपर है।

महागठबंधन की स्थिति कमजोर, कांग्रेस को बड़ा नुकसान-

दूसरी ओर, राजद (राष्ट्रीय जनता दल) नेतृत्व वाला महागठबंधन इस बार कमजोर स्थिति में दिखाई दे रहा है। एग्जिट पोल्स के अनुसार, राजद को लगभग 60 सीटें, कांग्रेस को 13 सीटें, और वामदलों को 10 सीटों के आसपास मिलने का अनुमान है। कांग्रेस को सबसे बड़ा नुकसान होता दिखाई दे रहा है। पिछले चुनाव में उसे 19 सीटें मिली थीं, जबकि इस बार उसकी सीटें घटकर लगभग 13 तक सिमटती दिख रही हैं। चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस की कमजोर संगठनात्मक पकड़ और स्थानीय स्तर पर प्रभावहीन नेतृत्व इसका कारण रहा।

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी बेअसर-

इस चुनाव में पहली बार प्रशांत किशोर (PK) ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी जन सुराज के बैनर तले चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान किया था। शुरुआती प्रचार में उन्होंने जनता से सीधा संवाद कर सुर्खियाँ बटोरीं। लेकिन एग्जिट पोल्स के अनुसार, जन सुराज का असर सीमित रहा। सर्वे बताते हैं कि जन सुराज पार्टी को 3 से 5 सीटों के बीच ही सफलता मिल सकती है। यह परिणाम बताता है कि राज्य की राजनीति अभी भी पारंपरिक गठबंधनों — एनडीए और महागठबंधन — के इर्द-गिर्द ही घूम रही है।

दो चरणों में मतदान, रिकॉर्ड वोटिंग प्रतिशत-

बिहार में इस बार चुनाव दो चरणों में कराए गए। पहले चरण में 121 सीटों पर लगभग 65% मतदान हुआ, जबकि दूसरे चरण में 122 सीटों पर 68.5% मतदान दर्ज किया गया। राज्य में इस बार महिलाओं और युवाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। ग्रामीण इलाकों में मतदान प्रतिशत शहरी क्षेत्रों से ज्यादा रहा। यह रुझान बताता है कि जनता सरकार बदलने की बजाय स्थिरता और विकास को तरजीह दे रही है।

पीएम मोदी ने कालचक्र अभिषेक समारोह का किया उद्घाटन

-खुद को बताया सौभाग्यशाली

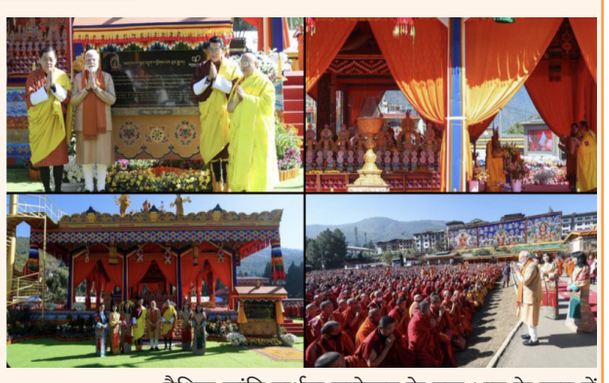

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय भूटान दौरे के दूसरे दिन, बुधवार को कालचक्र अभिषेक का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने खुद को सौभाग्यशाली बताया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उद्घाटन कार्यक्रम की तस्वीर पोस्ट की-

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उद्घाटन कार्यक्रम की तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में पीएम मोदी भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक, चतुर्थ नरेश के साथ नजर आए। उन्होंने लिखा, "भूटान के राजा महामहिम जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और महामहिम चतुर्थ नरेश के साथ कालचक्र 'समय का चक्र' अभिषेक का उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसकी अध्यक्षता परम पावन जे खेंपो ने की, जिसने इसे और भी विशेष बना दिया।"

यह दुनिया भर के बौद्धों के लिए एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान-

उन्होंने लिखा, "यह दुनिया भर के बौद्धों के लिए एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है जिसका सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है। कालचक्र अभिषेक चल रहे वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव का एक हिस्सा है, जिसने बौद्ध धर्म के भक्तों और विद्वानों को भूटान में एक साथ लाया है।"

भूटान के प्रधानमंत्री छेरिंग तोबगे ने 'एक्स' पर लिखा यह संदेश-

भूटान के प्रधानमंत्री छेरिंग तोबगे ने 'एक्स' पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पवित्र कालचक्र अभिषेक का उद्घाटन और आशीर्वाद दिया, जो आज चल रहे वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के एक भाग के रूप में शुरू हुआ।"

इससे पहले पीएम मोदी ने थिम्पू में भूटान के चौथे नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से की थी मुलाकात-

इससे पहले पीएम मोदी ने थिम्पू में भूटान के चौथे नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से मुलाकात की थी। उन्होंने मुलाकात की तस्वीर 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया, "महामहिम चतुर्थ नरेश के साथ एक अच्छी बैठक हुई। पीएम मोदी ने भारत-भूटान संबंधों को और मजबूत करने के लिए व्यापक प्रयासों की सराहना की-

भारत-भूटान संबंधों को और मजबूत करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में उनके व्यापक प्रयासों की सराहना की। ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी में सहयोग पर चर्चा हुई। गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना की प्रगति की सराहना की, जो हमारी एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है।" 11 नवंबर, 1955 को जन्मे जिग्मे सिंग्ये वांगचुक ने भूटान के चौथे नरेश के रूप में कार्य किया। उनका शासनकाल 1972 से 2006 तक चला और उन्हें भूटान के सबसे दूरदर्शी और प्रिय राजाओं में से एक माना जाता है।

दिल्ली धमाका: टैटू और कपड़ों से हुई पहचान, दर्द से भर उठा एलएनजेपी अस्पताल का मंजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट ने न सिर्फ राजधानी, बल्कि पूरे देश को झकझोर दिया। सोमवार रात हुए इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई थी। मंगलवार को जब इन शवों को पहचानने के लिए परिजन दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे, तो वहां का दृश्य दिल दहला देने वाला था। हर तरफ मातम, सिसकियाँ और असहनीय दर्द का माहौल था। अस्पताल के गलियारों में रिश्तेदारों की आंखों में एक ही सवाल था—"क्या ये मेरा अपना है?" धमाके की भयावहता का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि ज्यादातर शव पहचान से बाहर थे। किसी का चेहरा झुलस गया था, तो किसी के शरीर का हिस्सा बुरी तरह जला हुआ था। पुलिस और डॉक्टरों के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया कि कौन-सा शव किसका है। ऐसे में कुछ लोगों की पहचान उनके टैटू और कपड़ों से हुई। ऐसा ही एक दर्दनाक किस्सा 34 वर्षीय अमर कटारिया का है। अमर पेशे से एक छोटे व्यवसायी थे और रोज़ाना लाल किले के पास अपनी दुकान पर जाया करते थे। विस्फोट की रात जब वे घर नहीं लौटे, तो परिवार को चिंता हुई। अगले दिन जब परिजन अस्पताल पहुंचे तो शवों की हालत देखकर उनकी आंखें नम हो गईं। कोई पहचान नहीं पा रहा था कि कौन अमर है। तभी एक डॉक्टर ने कहा कि एक शव के हाथ पर टैटू बना है—"मॉम माय फर्स्ट लव, डैड माय स्ट्रेंथ।" बस, इतना सुनते ही परिवार टूट गया। यही टैटू अमर की पहचान बन गया। अमर की पत्नी ने कहा, "उन्हें अपने माता-पिता से बहुत मोहब्बत थी, इसलिए उन्होंने ये टैटू बनवाया था। कभी सोचा नहीं था कि यही टैटू हमें उन्हें पहचानने में मदद करेगा।" अमर के दो छोटे बच्चे हैं, जो बार-बार पूछ रहे थे—"पापा कब आएंगे?" लेकिन अब वह जवाब हमेशा के लिए खो गया है। इसी तरह एक और दिल दहला देने वाली कहानी है 35 वर्षीय मोहम्मद जुनमान की। जुनमान ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पेट पालते थे। सोमवार रात से ही उनका फोन बंद आ रहा था। घरवालों ने हर जगह तलाश की, लेकिन कोई खबर नहीं मिली। मंगलवार सुबह जब वे एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे, तो एक शव के पास रखी नीली शर्ट और जैकेट देखकर उनके चाचा इदरीस फफक पड़े—"ये मेरा मोहम्मद है!" इदरीस ने बताया कि जुनमान की पत्नी दिव्यांग हैं और उनके तीन छोटे बच्चे हैं। अब उनके सिर से पिता का साया उठ गया। "वो हर दिन मेहनत करता था, कभी किसी से शिकायत नहीं की। अब घर कैसे चलेगा, कौन बच्चों को संभालेगा?"—इदरीस की यह बात सुनकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। धमाके में मारे गए अन्य लोग भी मजदूर, दुकानदार और टैक्सी ड्राइवर थे।

ट्रम्प बोले– अमेरिका में टैलेंट की कमी

-विदेशी स्किल्ड वर्कर्स जरूरी; H-1B वीजा पर नरम रुख अपनाया

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर अपने बयान से चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका में कई अहम क्षेत्रों में टैलेंटेड लोगों की कमी है, इसलिए देश को विदेशी स्किल्ड वर्कर्स की जरूरत पड़ती है। ट्रम्प ने यह बात फॉक्स न्यूज को दिए गए एक इंटरव्यू में कही। एंकर लॉरा इंग्राहम ने ट्रम्प से सवाल किया कि क्या H-1B वीजा की संख्या घटाने की योजना है, क्योंकि इससे अमेरिकी मजदूरों के वेतन पर असर पड़ता है? इस पर ट्रम्प ने कहा, "हां, मैं इससे सहमत हूं कि हमें अपने नागरिकों को प्राथमिकता देनी चाहिए, लेकिन सच्चाई यह है कि हमें बाहर से भी टैलेंट लाना पड़ता है।" जब एंकर ने तर्क दिया कि अमेरिका में काफी टैलेंटेड लोग मौजूद हैं, तो ट्रम्प ने स्पष्ट शब्दों में कहा, "नहीं, कुछ खास क्षेत्रों में हमारे पास पर्याप्त टैलेंट नहीं है। आप किसी बेरोजगार व्यक्ति को उठाकर मिसाइल फैक्ट्री या एडवांस टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट पर नहीं भेज सकते। उसके लिए विशेष कौशल और ट्रेनिंग चाहिए।" ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके प्रशासन ने हाल ही में H-1B वीजा एप्लिकेशन फीस में बड़ा इज़ाफा किया है। पहले जहां यह फीस 1,000 डॉलर थी, वहीं अब इसे 1 लाख डॉलर तक बढ़ा दिया गया है। इस फैसले की आलोचना अमेरिका और विदेश दोनों जगहों पर हो रही है, क्योंकि इससे भारतीय और अन्य देशों के तकनीकी पेशेवरों पर बड़ा असर पड़ेगा। H-1B वीजा अमेरिकी कंपनियों को विदेश से हाई-स्किल्ड वर्कर्स रखने की अनुमति देता है, खासतौर पर टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और साइंस के क्षेत्रों में। भारत इस वीजा प्रोग्राम का सबसे बड़ा लाभार्थी देश है।

उत्तर भारत में ठंड और प्रदूषण का डबल अटैक

-एमपी-राजस्थान में कोल्ड वेव, दिल्ली में हवा 'गंभीर' स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मौसम अचानक करवट ले चुका है। नवंबर के शुरुआती दिनों में ही उत्तर भारत बर्फीली हवाओं की चपेट में आ गया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली—तीनों राज्यों में ठंड के साथ-साथ प्रदूषण की मार ने लोगों को परेशान कर दिया है।

मध्य प्रदेश में नवंबर में ही ठिठुरन-

मध्य प्रदेश में मंगलवार रात ठंड का असर इतना बढ़ गया कि 11 शहरों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अगले चार दिन तक कोल्ड वेव की स्थिति बनी रह सकती है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रतलाम, दतिया, छिंदवाड़ा, उमरिया और खजुराहो जैसे शहरों में सर्दी के तेवर पहले ही तेज हो चुके हैं। पहाड़ी इलाकों से आ रही ठंडी हवाओं ने सुबह और रात के तापमान में बड़ा अंतर पैदा कर दिया है।

राजस्थान में भी कड़ाके की ठंड, यलो अलर्ट जारी-

मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान में भी ठंड ने दस्तक दे दी है। सीकर, झुंझुनूं, टोंक और चुरू जैसे इलाकों में रात का तापमान 8 से 9 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने सीकर में चार दिन और टोंक में एक दिन के लिए कोल्ड वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। सुबह-शाम सड़कों पर कोहरा बढ़ने लगा है और लोगों ने अब अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेना शुरू कर दिया है।

दिल्ली में प्रदूषण चरम पर, AQI 459 तक पहुंचा-

जहां एक ओर ठंड बढ़ रही है, वहीं दिल्ली में सांस लेना और मुश्किल हो गया है। बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 413 दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। वजीरपुर में यह आंकड़ा 459 तक पहुंच गया। आनंद विहार, चांदनी चौक, रोहिणी, बवाना और आईटीओ जैसे इलाकों में भी हवा बेहद जहरीली हो चुकी है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए GRAP-3 (Graded Response Action Plan) लागू कर दिया गया है। इसके तहत सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं।

सरकार के आपात कदम: स्कूल ऑनलाइन, निर्माण कार्य बंद-

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तत्काल प्रभाव से कक्षा-5 तक के छात्रों के लिए स्कूलों में ऑनलाइन या हाइब्रिड क्लासेस का आदेश दिया है। निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गई है ताकि धूल और मलबे से हवा में और प्रदूषण न बढ़े।

पाकिस्तान की चेतावनी

-अफगानिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कर सकता है हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में आतंकी हमलों की बढ़ती घटनाओं के बीच अब इस्लामाबाद ने सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। मंगलवार को राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में हुए धमाकों के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि देश अब अफगानिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई करने को मजबूर हो सकता है। आसिफ ने Geo News को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से संयम बरत रहा है, लेकिन अफगानिस्तान की जमीन से लगातार आतंकी हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमारे पास अब जवाबी कार्रवाई के सिवा कोई विकल्प नहीं बचा है। अगर आतंकवादी हमारे लोगों को निशाना बनाएंगे तो हम खामोश नहीं बैठेंगे।" रक्षा मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल के महीनों में पाकिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के हमले तेज़ी से बढ़े हैं। पाकिस्तान का आरोप है कि TTP के कई ठिकाने अफगानिस्तान की सीमा के भीतर हैं और तालिबान सरकार इन आतंकियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि इस्लामाबाद ने कई बार काबुल को आतंकियों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कहा, लेकिन कोई असर नहीं हुआ।

दिल्ली ब्लास्ट पर पीएम मोदी भावुक

-भूटान में बोले– "भारी मन से आया हूं, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।"

थिम्पू (एजेंसी)। भूटान के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को उस वक्त भावुक हो गए जब उन्होंने दिल्ली में हुए ब्लास्ट का ज़िक्र किया। मोदी ने कहा कि वे "भारी मन" से भूटान आए हैं क्योंकि मंगलवार शाम को हुई इस भयावह घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, "कल शाम दिल्ली में जो हुआ, उसने हर भारतीय के दिल को दुखी किया है। निर्दोष लोगों की जान गई है, परिवार तबाह हुए हैं। मैं उन सभी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि इस घटना के दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।" प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत की जांच एजेंसियां पूरी ताकत से इस साजिश की तह तक जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी लोग इस कायराना हमले के पीछे हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। मोदी ने कहा, "हमारा देश आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करेगा। इस तरह की घटनाएं हमारे हौसले को नहीं तोड़ सकतीं। हम एकजुट होकर नफरत और हिंसा के खिलाफ खड़े रहेंगे।" भूटान की संसद में भाषण देते हुए पीएम मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों की मजबूती पर भी बात की।

भरूच में केमिकल कंपनी में भीषण विस्फोट

-बॉयलर फटने से 3 की मौत, 24 घायल; चार कंपनियां भी नुकसान की चपेट में

भरूच । गुजरात के औद्योगिक जिले भरूच में मंगलवार देर रात एक भयावह हादसा हुआ। जीआईडीसी (गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) क्षेत्र में स्थित एक केमिकल कंपनी में बॉयलर फटने से बड़ा विस्फोट हुआ, जिसमें तीन कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 24 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 4 से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को तुरंत भरूच और अंकलेश्वर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

आधी रात हुआ धमाका, चारों ओर दहशत फैल गई-

यह हादसा भरूच जिले के सायखा गांव के पास जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित विशाल फार्मा कंपनी में मंगलवार की देर रात करीब ढाई बजे हुआ। फैक्ट्री के अंदर चल रहे उत्पादन के दौरान अचानक बॉयलर में धमाका हो गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरी फैक्ट्री परिसर हिल उठा और आसमान में आग की लपटें उठती दिखाई दीं। धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

आग की लपटों ने फैक्ट्री को निगल लिया-

धमाके के कुछ ही सेकंड बाद बॉयलर में लगी आग ने तेजी से पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी विकराल थी कि आसपास की चार अन्य कंपनियों को भी नुकसान पहुंचा। वहां खड़ी कई गाड़ियां और मशीनें जलकर खाक हो गईं। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारी झुलसे-

धमाके के वक्त कंपनी में दर्जनों कर्मचारी मौजूद थे। कई लोग बॉयलर के आसपास काम कर रहे थे, जिन्हें बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। तीन कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 24 अन्य झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुछ कर्मचारी आग से बचने के लिए खिड़कियों से कूदे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

घायलों का इलाज जारी-

घायलों को तुरंत भरूच सिविल हॉस्पिटल और अंकलेश्वर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। स्थानीय प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य में कोई देरी न हो, इसके लिए जिला आपदा प्रबंधन दल और फायर ब्रिगेड की टीमों को तुरंत मौके पर भेजा। अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे कर्मचारियों को वडोदरा रेफर किया गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

74 फ़ीसदी विचाराधीन कैदी: न्याय व्यवस्था की धीमी रफ्तार की दर्दनाक हकीकत

अपराध और सज़ा समाज की न्यायिक प्रक्रिया के दो अहम हिस्से हैं। यदि कोई व्यक्ति अपराध करता है, तो उसे न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध होने पर सज़ा मिलना स्वाभाविक है। लेकिन भारत की जेलों की स्थिति पर नज़र डालें तो एक बेहद चिंता जनक तस्वीर सामने आती है — यहां अधिकतर कैदी ऐसे हैं जिनका अपराध अब तक सिद्ध ही नहीं हुआ है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, देश की जेलों में करीब 74 फ़ीसदी कैदी विचाराधीन (Undertrial Prisoners) हैं, यानी वे ऐसे लोग हैं जिन पर अपराध के आरोप तो लगे हैं लेकिन अदालत ने अभी तक उन्हें दोषी नहीं ठहराया है। यह स्थिति न्याय व्यवस्था की धीमी गति और तंत्र की खामियों की ओर इशारा करती है। इन विचाराधीन कैदियों में से कई लोग सालों से जेल की सलाखों के पीछे हैं, जबकि उनके अपराध सिद्ध होने पर मिलने वाली संभावित सज़ा की अवधि भी कब की पूरी हो चुकी होती है। उदाहरण के लिए, किसी अपराध की अधिकतम सज़ा दो या तीन साल की है, लेकिन आरोपी पाँच-पाँच साल से मुक़दमे की प्रतीक्षा में जेल में बंद हैं। यह न्याय नहीं, बल्कि न्याय में देरी के नाम पर अन्याय है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नालसार यूनिवर्सिटी के स्क्वायर सर्कल क्लीनिक की जो रिपोर्ट सामने आई है, उसने इस गंभीर स्थिति को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि भारत की जेलें अपनी क्षमता से कहीं अधिक भरी हुई हैं। देश की अधिकतर जेलों में 100 प्रतिशत से अधिक बंदी हैं, कई तो 150 प्रतिशत से भी ज़्यादा भरी हुई हैं। इनकी बड़ी संख्या विचाराधीन कैदियों की है। और भी चिंताजनक बात यह है कि इनमें से कई कैदी ऐसे हैं जिन पर जमानती अपराध दर्ज हैं। यानी कानूनन उन्हें आसानी से ज़मानत मिल सकती थी, लेकिन सामाजिक, आर्थिक या कानूनी सहायता की कमी के कारण वे वर्षों से जेल में पड़े हैं। गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को यह स्थिति सबसे अधिक प्रभावित करती है, क्योंकि वे वकील करने या ज़मानत की रकम देने में असमर्थ होते हैं। वहीं, अमीर या प्रभावशाली आरोपी ज़मानत लेकर जल्द ही जेल से बाहर आ जाते हैं। सिर्फ यही नहीं, अनेक ऐसे उदाहरण भी हैं जहां कैदियों की सज़ा पूरी हो चुकी है, लेकिन प्रशासनिक कारणों या दस्तावेज़ी देरी के चलते वे अब भी जेलों में बंद हैं। यह स्थिति न केवल मानवीय अधिकारों का हनन है बल्कि न्याय प्रणाली की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाती है। विचाराधीन कैदियों की बढ़ती संख्या का एक कारण अदालतों में लंबित मुक़दमों की भरमार भी है। देश की निचली अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं। हर तारीख़ पर स्थगन, गवाहों की अनुपस्थिति, अधूरी जांच और प्रशासनिक ढिलाई के चलते मामलों का निपटारा वर्षों तक लटकता रहता है। जरूरत इस बात की है कि सरकार और न्यायपालिका मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाएं। फास्ट ट्रैक कोर्ट, लीगल एड सर्विसेज़, और जमानत नीति में सुधार जैसे उपायों को तेजी से लागू किया जाना चाहिए।

नीति बनाम नैतिकता: प्रशासनिक लापरवाही से होने वाली मृत्यु पर भी संस्थागत जिम्मेदारी तय होनी चाहिए

-लापरवाही की संस्कृति और "सिस्टम का बहाना"

किसी भी समाज की पहचान केवल उसके विकास के आँकड़ों, ऊँची इमारतों या चमकती सड़कों से नहीं होती, बल्कि उससे होती है कि वहाँ मानव जीवन की कीमत कितनी है। जब कोई व्यक्ति प्राकृतिक आपदा या आकस्मिक दुर्घटना में मरता है तो दुख होता है, पर जब मौत का कारण किसी की लापरवाही, भ्रष्टाचार या संस्थागत असंवेदनशीलता हो, तब यह केवल हादसा नहीं बल्कि "व्यवस्थागत हत्या" (Institutional Killing) बन जाती है। भारत में आए दिन ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं जो इस प्रश्न को बार-बार हमारे सामने रखती हैं—क्या इन मौतों का कोई जिम्मेदार है? और अगर है, तो क्या उसे कभी सज़ा मिलती है?

मौतें जो केवल हादसे नहीं

हाल के महीनों में राजस्थान के विभिन्न इलाकों में हुई घटनाएँ इसका भयावह उदाहरण हैं। जैसलमेर में एक स्लीपर बस में आग लगने से कई यात्रियों की जान चली गई। बाद में जांच में सामने आया कि बस सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं थी, उसकी डिजाइन तक अप्रूव्ड नहीं थी। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में आग लगी और मरीजों की मौत हो गई। जांच में पाया गया कि कई बार फायर सुरक्षा उपकरणों की रिपोर्टिंग गलत तरीके से की गई थी और संबंधित अधिकारी लापरवाही बरत रहे थे। इसी तरह अजमेर रोड पर एलपीजी टैंकर से बस की टक्कर हुई और यात्री जलते हुए भागते रहे। कुछ दिनों बाद उसी जगह एक और बड़ा हादसा हुआ। बाड़मेर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल वसूली तो हो रही थी लेकिन सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे थे। एक कार उन्हीं गड्ढों में फंसकर ट्रक से टकराई और चार लोग जिंदा जल गए। सवाल यह है कि जब इन सभी सड़कों, अस्पतालों

और वाहनों के लिए अलग-अलग निरीक्षण और सुरक्षा मानक तय हैं, तो फिर इतनी लापरवाही क्यों? क्या यह केवल "दुर्घटना" है या "व्यवस्थागत हत्या"?

जब चेतावनी भी अनसुनी रह जाए

कई बार अधिकारी खुद खतरे की चेतावनी देते हैं। फायर डिपार्टमेंट रिपोर्ट देता है कि किसी इमारत की वायरिंग पुरानी है, वेंटिलेशन नहीं है, आपातकालीन गेट बंद हैं — लेकिन कार्रवाई नहीं होती। कारण? इमारत किसी मंत्री के रिश्तेदार की होती है या ठेकेदार सत्ता से जुड़ा होता है। जब तक हादसा न हो, तब तक "सब ठीक है" कहा जाता है। यहाँ नीति की कमी नहीं, बल्कि नैतिकता की कमी है। प्रशासनिक व्यवस्था इतनी "कागज़ी" हो गई है कि असल चेतावनियाँ फाइलों में दब जाती हैं। जब अस्पताल का वार्ड इंचार्ज कई बार सुरक्षा खतरे की सूचना देता है और फिर वही वार्ड जलकर राख हो जाता है, तो यह एक व्यक्ति की नहीं बल्कि संस्थागत अपराध की कहानी होती है।

संस्थागत अपराध का अर्थ और जिम्मेदारी

संस्थागत अपराध (Institutional Crime) वह होता है जिसमें कोई संस्था, विभाग या व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है और उसके कारण लोगों की जान या संपत्ति का नुकसान होता है। ऐसे मामलों में अपराधी कोई एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था होती है। भारत में इस तरह के अपराधों के लिए कोई स्पष्ट दंडात्मक प्रणाली नहीं है। दुर्घटनाओं की जांच समितियाँ बनती हैं, रिपोर्टें आती हैं, कुछ निलंबन या ट्रांसफर होते हैं, लेकिन न तो किसी विभागीय अधिकारी को वास्तविक सज़ा मिलती है, न ही सिस्टम में कोई सुधार आता है। अगली त्रासदी तक सब कुछ भुला दिया जाता है। सवाल यह है कि जब किसी फैक्ट्री में लापरवाही से कामगार की मौत होती है, तो मालिक के खिलाफ केस हो सकता है, तो फिर जब सरकारी विभाग की लापरवाही से आम नागरिक की मौत होती है, तो वही नियम लागू क्यों नहीं होता?

नीतियों का नैतिक पक्ष

नीति और नैतिकता का संबंध बहुत पुराना है। नीति व्यवस्था को दिशा देती है, जबकि नैतिकता उस दिशा को मानवता से जोड़ती है। अगर नीति नैतिकता से कट जाए तो वह केवल एक "नियम पुस्तिका" बनकर रह जाती है। हमारे यहाँ नीतियाँ तो बहुत हैं — फायर सेफ्टी पॉलिसी, डिजास्टर मैनेजमेंट गाइडलाइन, बिल्डिंग सेफ्टी कोड, रोड सेफ्टी एक्ट — लेकिन इन सबका पालन करने की नीयत नहीं है। जब किसी अस्पताल के इंचार्ज को रिश्वत लेते पकड़ा जाता है, जब ठेकेदार घटिया निर्माण करके चला जाता है, और जब अधिकारी अपनी आंख मूँद लेता है, तब नीति व्यर्थ हो जाती है। यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि अनैतिकता का चरम है — क्योंकि इसका सीधा असर इंसानों की जान पर पड़ता है।

लापरवाही की संस्कृति और "सिस्टम का बहाना"

हमारा प्रशासनिक ढांचा एक ऐसे "बहानेबाज़ सिस्टम" में बदल गया है जहाँ हर मौत का जवाब यही होता है — "जांच जारी है", "तकनीकी कारणों से हादसा हुआ", "जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी"। कुछ दिनों बाद फाइल बंद, और फिर सबकुछ सामान्य। यह मानसिकता इतनी गहरी है कि अब कोई भी विभाग खुद को जिम्मेदार मानने को तैयार नहीं होता। सीवर में मजदूर मरता है तो कहा जाता है — "ठेकेदार जिम्मेदार है।" पुल गिरता है तो कहा जाता है — "इंजीनियर की गलती थी।" अस्पताल में आग लगती है तो कहा जाता है — "इलेक्ट्रिक शॉर्ट-सर्किट था।" लेकिन इन सबके ऊपर बैठा सिस्टम जो निरीक्षण, मंजूरी और मॉनिटरिंग के लिए बना है — उसका क्या? यह एक तरह का नैतिक पलायन (moral escapism) है, जिसमें हर अधिकारी अपने ऊपर से जिम्मेदारी हटाने की कला में माहिर हो चुका है।

जिम्मेदारी तय करने की ज़रूरत

भारत में "संस्थागत जिम्मेदारी" तय करने की सख्त जरूरत है। जिस तरह किसी निजी कंपनी में किसी उत्पाद की विफलता या दुर्घटना के लिए मैनेजमेंट पर मुकदमा चल सकता है, उसी तरह सरकारी संस्थाओं में भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। यदि किसी अस्पताल की इमारत में सुरक्षा खामियों के कारण मौत होती है तो केवल वार्ड बॉय या जूनियर स्टाफ नहीं, बल्कि चीफ इंजीनियर, विभागीय सचिव और संबंधित मंत्री तक जवाबदेह होने चाहिए। अगर सड़क पर गड्ढों की वजह से जान जाती है, तो पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन और ठेकेदार को आपराधिक लापरवाही के तहत दंडित किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में "निगरानी आयोग" या "इंस्टिट्यूशनल एकाउंटेबिलिटी बोर्ड" जैसे निकाय बनाए जा सकते हैं, जो केवल जांच नहीं, बल्कि सज़ा सुनिश्चित करें।

राजनीतिक हस्तक्षेप: समस्या की जड़

कई बार प्रशासनिक लापरवाही इसलिए भी होती है क्योंकि राजनीतिक हस्तक्षेप बहुत गहरा है। जो अधिकारी नियमों पर अड़े रहते हैं, उन्हें साइडलाइन कर दिया जाता है। जो मंत्री या विधायक "अपने ठेकेदारों" के लिए नियम तोड़ते हैं, उन्हें बचाने में पूरा सिस्टम लग जाता है। यहाँ तक कि आपदा प्रबंधन या फायर सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्टें भी दबा दी जाती हैं ताकि किसी राजनीतिक "हित" को नुकसान न पहुँचे। यही कारण है कि हर बड़े हादसे के बाद हम सुनते हैं — "इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं।" लेकिन जांच का अंजाम कभी सामने नहीं आता।

न्यायिक हस्तक्षेप की भूमिका

न्यायपालिका ने कई बार इस दिशा में सख्त रुख दिखाया है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स ने बार-बार कहा है कि प्रशासनिक लापरवाही से हुई मौतें "राज्य की जिम्मेदारी" हैं और पीड़ित परिवारों को मुआवजा मिलना चाहिए। परंतु केवल मुआवजा ही पर्याप्त नहीं है। जरूरत है ऐसे कानूनी प्रावधानों की, जिनमें अगर किसी विभागीय लापरवाही से किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो जिम्मेदार अधिकारी पर आपराधिक मुकदमा चलाया जा सके — जैसे कि आईपीसी की धारा 304A (लापरवाही से मृत्यु) को सरकारी अधिकारियों पर भी लागू किया जा सके।

इनडायरेक्ट सिस्टम से चुनाव पर सवाल: स्थानीय निकाय विकास के औजार हैं या राजनीति के अखाड़े?

-जनता के अधिकार और विकास की भावना हो रही है कमजोर

राजस्थान में आगामी समय में स्थानीय निकायों के चुनाव होने वाले हैं। यह चुनाव लोकतंत्र के सबसे निचले स्तर, यानी "ग्राम, नगर और नगर निगम" जैसे जनप्रतिनिधि संस्थानों की दिशा तय करते हैं। लेकिन इन निकायों की जो तस्वीर आज हमारे सामने है, वह विकास से ज़्यादा दलगत राजनीति, हंगामे और भ्रष्टाचार की कहानी कहती है। सवाल उठता है कि स्थानीय निकाय वास्तव में विकास के औजार हैं या राजनीतिक दलों के अखाड़े बन चुके हैं? आज हालात यह हैं कि निकायों की अधिकांश बोर्ड बैठकें हुल्लड़बाजी, नारेबाजी और हंगामों की भेंट चढ़ जाती हैं। कई जगहों से तो मारपीट और तोड़फोड़ तक की खबरें आती हैं। अधिकारी और कर्मचारी खुले तौर पर दो गुटों में बँटे रहते हैं। जनता जो उम्मीद लेकर इन निकायों के दफ्तरों के चक्कर लगाती है, वह अक्सर निराश लौटती है। जल निकासी, सड़क मरम्मत, सफाई, स्ट्रीट लाइट और स्वच्छता जैसे बुनियादी मसले महीनों तक लटके रहते हैं। तो सवाल उठता है — यह स्थिति क्यों बनी? क्या कारण है कि स्थानीय निकाय, जो जनता की बुनियादी सुविधाओं का केंद्र हैं, वे आज भ्रष्टाचार, धनबल और राजनीति के जाल में फँस गए हैं?

चेयरपर्सन की चुनाव प्रणाली: जड़ में यही बीमारी

इस पूरे मसले की जड़ स्थानीय निकायों में चेयरपर्सन (नगर परिषद, नगरपालिका या नगर निगम के प्रमुख) के चुनाव की प्रक्रिया में छिपी है। राजस्थान में चेयरपर्सन का चुनाव "इनडायरेक्ट सिस्टम" यानी अप्रत्यक्ष तरीके से होता है। इसका मतलब यह है कि जनता सीधे अपने वार्ड के पार्षद का चुनाव करती है, और वही पार्षद मिलकर चेयरपर्सन का चयन करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जनता अपने नेता का नहीं, बल्कि प्रतिनिधियों का प्रतिनिधि चुनती है। और यहीं से शुरू होता है "खेल" — पैसे, पद और प्रभाव का खेल। जब चुनाव पार्षदों के वोट से तय होता है, तो चेयरपर्सन पद के दावेदार पार्षदों को प्रभावित करने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं — चाहे वह आर्थिक लाभ देना हो, पद का वादा करना हो या किसी राजनीतिक संरक्षण की गारंटी। परिणामस्वरूप लोकतंत्र का यह सबसे निचला स्तर "मंडी" में बदल जाता है, जहाँ जनहित का मूल्य पैसा और सत्ता की सौदेबाज़ी में खो जाता है।

इनडायरेक्ट सिस्टम: भ्रष्टाचार की जड़

यह इनडायरेक्ट सिस्टम कई विकृतियाँ पैदा करता है—

पार्षदों की बाड़ेबंदी: चेयरपर्सन चुनाव के दौरान पार्षदों को रिसॉर्ट, होटल या निजी ठिकानों पर बाड़ेबंदी कर रखा जाता है ताकि वे किसी अन्य उम्मीदवार के संपर्क में न जाएँ। यह दृश्य आम चुनावों में नहीं, बल्कि स्थानीय निकाय जैसे लोकतांत्रिक संस्थान में देखने को मिलता है।

खरीद-फरोख्त का बाज़ार: पहले केवल विपक्षी पार्षदों को खरीदा जाता था, अब तो स्थिति यह है कि उम्मीदवार को अपनी ही पार्टी के पार्षदों को भी "मैनेज" करना पड़ता है। कई बार तो अपनी पार्टी के अंदर ही दो गुट बन जाते हैं और चेयरपर्सन की कुर्सी की लड़ाई में पूरा निकाय पक्ष-विपक्ष में बँट जाता है।

जनता की भूमिका सीमित: जनता का सीधा कोई संबंध चेयरपर्सन से नहीं रह जाता। वह केवल पार्षद चुनने तक सीमित हो जाती है। जबकि विकास योजनाओं, बजट और प्राथमिकताओं पर निर्णय चेयरपर्सन लेता है। इस तरह जनता के हाथ में लोकतांत्रिक शक्ति नहीं रहती।

ईमानदार उम्मीदवार हाशिए पर: जो व्यक्ति ईमानदारी से, जमीनी स्तर पर काम कर रहा है, उसके पास इतने संसाधन नहीं होते कि वह पार्षदों को "संतुष्ट" कर सके। इस कारण ऐसे लोग चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं और चेयरपर्सन की कुर्सी उन्हीं को मिलती है जो धनबल और राजनीतिक संपर्कों के ज़रिए वोट जुटा सकें।

सीधा चुनाव क्यों जरूरी है?

देश के कई राज्यों — जैसे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, झारखंड, हरियाणा और दिल्ली — में चेयरपर्सन का चुनाव जनता सीधे करती है। इससे जनता को अपने विकास प्रतिनिधि को चुनने का हक़ मिलता है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि चुना हुआ चेयरपर्सन जनता के प्रति जवाबदेह होता है, पार्षदों के प्रति नहीं। वह जानता है कि अगला चुनाव जनता के वोट से ही जीतना है, इसलिए वह काम और पारदर्शिता पर ध्यान देता है। जबकि राजस्थान जैसे राज्यों में इनडायरेक्ट सिस्टम ने चेयरपर्सन को "गुटबंदी का कैदी" बना दिया है। उसे हर निर्णय में पार्षदों को खुश रखना पड़ता है, चाहे वह विकास योजनाएँ हों, ठेके हों या पदोन्नतियाँ।

राजनीतिक लाभ के लिए बनाई गई छोटी वार्ड व्यवस्था

पूर्ववर्ती सरकारों ने राजनीतिक लाभ के लिए वार्डों को अनावश्यक रूप से छोटे हिस्सों में बाँट दिया। नतीजा यह हुआ कि एक छोटे से क्षेत्र में भी तीन-तीन पार्षद बन गए। इससे न केवल प्रशासनिक जटिलता बढ़ी, बल्कि वोटों का ध्रुवीकरण और जातिगत समीकरणों का असर भी बढ़ा। छोटे वार्डों से यह भी हुआ कि उम्मीदवारों के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र हो गई। कई बार "स्थानीय गुटबाज़ी" इतनी हावी हो जाती है कि वास्तविक विकास कार्य पीछे रह जाते हैं। वार्डों के पुनर्गठन की तत्काल आवश्यकता है ताकि योजना क्रियान्वयन का ढाँचा संतुलित और व्यवहारिक बन सके।

विकास के औजार या राजनीति के अखाड़े?

स्थानीय निकायों की असल भूमिका "विकास के औजार" की है। इन संस्थानों को जनता की बुनियादी ज़रूरतों का समाधान करना चाहिए — जैसे पानी, सड़क, सफाई, पार्क, लाइट, स्वास्थ्य केंद्र, नालियाँ, स्कूल, जल संरक्षण आदि। लेकिन हकीकत यह है कि ये निकाय राजनीति के अखाड़े में बदल चुके हैं, जहाँ विकास के बजाय सत्ता की खींचतान हावी है। पार्षदों के गुट: हर निकाय में दो या तीन गुट बन जाते हैं — चेयरपर्सन समर्थक, विपक्षी और "स्वतंत्र" पार्षदों का गुट। प्रशासन पर दबाव: अधिकारी किसी गुट के प्रति झुकाव रखते हैं, जिससे निष्पक्ष प्रशासन प्रभावित होता है। जनता की निराशा: आम लोग शिकायत लेकर जाते हैं तो या तो फाइलें लटक जाती हैं या उन्हें एक से दूसरे दफ्तर भेजा जाता है।

ऑनलाइन फूड कल्चर: थाली का नियंत्रण एल्गोरिद्म को नहीं, विवेक को सौंपें तभी बनेगा 'स्वास्थ्य सजग भारत'

-क्लिक और कैलोरी के जाल में फँसी नई पीढ़ी को सुविधा नहीं, संतुलन की ज़रूरत है

तेज़ी से बदलते आधुनिक भारत में जहाँ जीवन का हर क्षेत्र डिजिटल स्क्रीन पर सिमट गया है, वहीं अब रसोई भी इस तकनीकी लहर से अछूती नहीं रही। "क्लिक करो, ऑर्डर करो और खाओ"— यही नई थाली संस्कृति बन चुकी है। पहले जहाँ घर की रसोई से उठती खुशबू, माँ के हाथों का स्वाद और ताज़ा पकवान से जुड़ा अपनापन था, वहीं अब मोबाइल की स्क्रीन पर चमकता 'Order Now' बटन हमारी भूख और स्वाद दोनों पर राज कर रहा है। ऑनलाइन फूड कल्चर ने सुविधा दी है— समय बचाया, विकल्प बढ़ाए और रोजगार के अवसर पैदा किए। लेकिन इसी सहजता की आड़ में एक ऐसी जीवनशैली भी पनप रही है जो हमें धीरे-धीरे 'स्वाद के गुलाम' और 'सेहत के शत्रु' बना रही है।

बढ़ता बाजार, बदलती आदतें

'मार्केट्स एंड डेटा' की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ऑनलाइन फूड डिलीवरी मार्केट 2024 में लगभग 31 अरब डॉलर तक पहुँच गया था और 2030 तक इसके 140 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल आर्थिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक भी है। अब कॉलेज के छात्र हों या नौकरीपेशा युवा, देर रात तक जागने वालों की 'लेट नाइट क्रेविंग' से लेकर छोटे शहरों के परिवार तक, सब इस डिजिटल थाली संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं। पहले जहाँ 'घर का खाना' आदर्श था, अब 'ऑर्डर नाऊ' सुविधा नहीं बल्कि निर्भरता का प्रतीक बन गया है। हर दूसरा युवा दिन में एक बार तो किसी ऐप से खाना मंगवाता ही है—कभी 'डिस्काउंट कूपन' के लालच में तो कभी 'टाइम बचाने' के बहाने।

सोशल मीडिया और स्वाद की नई राजनीति

सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और भी गहराई दी है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब, स्नैपचैट और रील्स पर 'फूड कंटेंट' अब सबसे तेज़ बढ़ता ट्रेंड है। आकर्षक खाने की तस्वीरें, चटख रंगों वाली प्लेटें, चिलचिलाते चीज़ और तली हुई डिशों का स्लो-मोशन वीडियो— अब खाना केवल भूख का साधन नहीं, बल्कि मनोरंजन और पहचान का प्रतीक बन गया है। यह 'डिजिटल थाली' हमारे स्वाद को ही नहीं, हमारे निर्णय की शक्ति को भी प्रभावित कर रही है। फूड ब्लॉगर और इन्फ्लुएंसर जो दिखाते हैं, वही 'ट्रेंड' बन जाता है, और जो ट्रेंड में है, वही स्वाद का नया मानक। इस तरह धीरे-धीरे हमारी थाली का नियंत्रण एल्गोरिद्म के हाथों में चला गया है।

दिमाग़ का खेल: डोपामिन और 'क्लिक क्रेविंग साइकिल'

चिकित्सक और न्यूरोसाइंटिस्ट बताते हैं कि बार-बार मीठा, तला या अधिक नमक वाला भोजन मस्तिष्क में डोपामिन का स्तर बढ़ा देता है। डोपामिन वह 'फील-गुड' हार्मोन है जो आनंद का एहसास देता है। यही कारण है कि एक बार अगर आपने बर्गर या पिज़्ज़ा खा लिया, तो कुछ ही दिनों में वही स्वाद दोहराने की इच्छा होती है।

यही 'क्लिक क्रेविंग साइकिल' है —

सोशल मीडिया पर स्वादिष्ट तस्वीरें देखना, डोपामिन का ट्रिगर होना, ऑर्डर करने की इच्छा जगना, खाने के बाद फिर वही आनंद दोहराने की चाह। यह चक्र जितना चलता जाता है, उतनी ही तेज़ी से हमारी नींद, वजन और मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है। यही कारण है कि युवा पीढ़ी में मोटापा, उच्च रक्तचाप और टाइप-2 डायबिटीज़ जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं।

अध्ययन क्या कहते हैं?

एससीबी मेडिकल कॉलेज, कटक के एक हालिया अध्ययन में पाया गया कि जो छात्र सप्ताह में दो या अधिक बार ऑनलाइन भोजन मंगाते थे, उनमें मोटापे की संभावना तीन गुना अधिक थी।

अध्ययन यह भी बताता है—

36% छात्र अपने भोजन के पोषण मूल्य से अनजान थे। 65% ने कहा कि वे 'समवयस्क दबाव' यानी दोस्तों और सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर ऑर्डर करते हैं। और लगभग 50% युवाओं ने स्वीकार किया कि वे 'फूड डिलीवरी ऐप्स' के ऑफर देखकर ही भूख महसूस करते हैं, भले ही उन्हें पहले भूख न लगी हो। ये आंकड़े सिर्फ चिंता नहीं, बल्कि चेतावनी हैं— कि सुविधा के नाम पर हम अपने शरीर के मूल संतुलन से खेल रहे हैं।

सुविधा या निर्भरता?

ऑनलाइन फूड डिलीवरी ने निस्संदेह हमारे जीवन को आसान बनाया है। ऑफिस के लंबे घंटे, ट्रैफिक और समय की कमी के बीच यह एक त्वरित समाधान जैसा लगता है। लेकिन हर सुविधा के साथ एक 'अदृश्य मूल्य' भी जुड़ा होता है। घरेलू रसोई का महत्व घटा है। अब बच्चों को माँ के हाथ के खाने से ज़्यादा पसंद है 'क्रंची डिलीवरी'। पारिवारिक भोजन संस्कृति टूट रही है। पहले परिवार एक साथ बैठकर खाना खाते थे, अब हर व्यक्ति अलग-अलग समय पर अपने फोन से ऑर्डर कर लेता है। भोजन की आत्मीयता घट रही है। खाना अब अनुभव नहीं, 'सर्विस' बन गया है।

एल्गोरिद्म की थाली

फूड ऐप्स हमारे व्यवहार को 'ट्रैक' करते हैं — कौन-सा व्यंजन हमने कब ऑर्डर किया, कितनी बार क्लिक किया, किन जगहों पर ऑफर से आकर्षित हुए। यह डेटा एल्गोरिद्म के ज़रिए हमारे सामने वही विकल्प बार-बार लाता है, जो हमारे लिए "लाभदायक" हो—पर कंपनी के लिए, न कि शरीर के लिए। हमारे भोजन का निर्णय अब स्वाद या ज़रूरत नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर का सुझाव तय करता है। यही डिजिटल नियंत्रण सबसे बड़ा खतरा है। थाली का नियंत्रण अब विवेक से छिनकर एल्गोरिद्म के पास चला गया है।

समाधान की राह: विवेक को थाली में लौटाना

अगर हमें "स्वास्थ्य सजग राष्ट्र" बनना है तो यह परिवर्तन केवल सरकारों या डॉक्टरों से नहीं, बल्कि हमारे व्यक्तिगत विवेक से शुरू होगा।

'क्लिक' से पहले 'विचार' करें: हर बार ऑर्डर करने से पहले खुद से पूछें— क्या यह भूख है या आदत? स्थानीय और पारंपरिक भोजन को प्राथमिकता दें: खिचड़ी, दलिया, दही-चावल, बाजरे की रोटी जैसे पारंपरिक व्यंजन न केवल पौष्टिक हैं बल्कि स्थायी भी। घर के खाने की संस्कृति को पुनर्जीवित करें: सप्ताह में कम-से-कम पाँच दिन घर का बना खाना खाएँ।

सोशल मीडिया की भूमिका सीमित करें: 'फूड इन्फ्लुएंसर' की चमक के पीछे का व्यावसायिक पक्ष समझें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर सुदृढ़ होता प्रदेश का चिकित्सा तंत्र

-आईएचएमएस में आभा आईडी का उपयोग अनिवार्य, मोबाइल पर मिल सकेगा हेल्थ रेकार्ड

-हर नागरिक का रेकार्ड रहेगा सुरक्षित, स्वास्थ्य सेवाएं होंगी सुगम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत एवं तकनीकी नवाचारों के माध्यम से सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इसी दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में राज्य में प्रत्येक नागरिक को बेहतर, पारदर्शी और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम (आईएचएमएस) में आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा आईडी) के उपयोग को अनिवार्य कर दिया गया है। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत रूप से सुगम एवं सुलभ बनाने की दिशा में राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन प्रारंभ किया गया था, जिसके तहत हर नागरिक की आभा आईडी बनाई जा रही है ताकि हर व्यक्ति का हैल्थ रेकार्ड सुरक्षित रहे और उसे उपचार लेने में किसी तरह की परेशानी नहीं आए।

ओपीडी एवं आईपीडी पंजीकरण के समय बनाई जाएगी आभा आईडी-

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड ने बताया कि मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना (एमएनएनआरवाई) के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने वाले सभी नागरिकों का पंजीकरण अब आईएचएमएस में आभा आईडी के माध्यम से अनिवार्य रूप से किया जाएगा। सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक ओपीडी और आईपीडी पंजीकरण के समय मरीज की आभा आईडी बनाई और लिंक की जाए। इस निर्णय से हर नागरिक को "एक देश, एक स्वास्थ्य आईडी" के सिद्धांत के तहत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

डिजिटल हैल्थ रेकार्ड की मिलेगी सुविधा-

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने बताया कि आभा आईडी (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) प्रत्येक नागरिक की एक विशिष्ट डिजिटल पहचान संख्या है, जो उसके सभी स्वास्थ्य रेकार्ड को एक ही स्थान पर सुरक्षित रखती है। इसके माध्यम से नागरिक अपने स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी को कभी भी, कहीं से भी देख सकते हैं और डॉक्टर से उपचार के समय अपनी सहमति से यह जानकारी साझा कर सकते हैं। इसके माध्यम से नागरिकों को डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड की सुविधा मिलेगी, साथ ही मरीज अपने स्वास्थ्य विवरण मोबाइल ऐप या पोर्टल के माध्यम से तुरंत देख सकेंगे। किसी भी अस्पताल या डॉक्टर के पास जाने पर मरीज की जानकारी सुरक्षित और अधिकृत तरीके से साझा की जा सकेगी, जिससे इलाज की प्रक्रिया तेज और सटीक होगी। पेपरलैस और पारदर्शी चिकित्सा व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। नागरिकों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और डिजिटल सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में आसानी होगी।

डेमोग्राफिक प्रमाणीकरण असफल तो ओटीपी से बनेगी आभा आईडी-

डॉ. अमित यादव ने बताया कि यदि किसी कारणवश डेमोग्राफिक प्रमाणीकरण असफल हो जाता है तो मरीज की आभा आईडी ओटीपी प्रक्रिया के माध्यम से बनाई जाएगी। साथ ही, अस्पतालों को 'स्कैन एंड शेयर' प्रणाली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, ताकि पंजीकरण की प्रक्रिया तेज और सहज हो सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर चिकित्सा शिक्षा में बेहतर अवसर की खुल रही राह

-प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेंगे नए आयाम

-अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इसी क्रम में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी, यूके के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू किया है। यह एमओयू स्वास्थ्य सेवाओं, अनुसंधान, क्षमता निर्माण एवं चिकित्सा शिक्षा के विकास को नई दिशा देगा। राजस्थान और मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के बीच यह सहयोग चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक स्तर पर जोड़ते हुए प्रदेश की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने में मील का पत्थर साबित होगा। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि यह एमओयू स्नातक एवं स्नातकोत्तर शैक्षिक कार्यक्रमों का सह-विकास, साझा शिक्षण एवं संयुक्त कार्य प्रणाली को बढ़ावा देगा। इसके माध्यम

से गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम एवं नियंत्रण में सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य संबंधी विषयों जैसे स्वास्थ्य सेवा, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज आदि पर जानकारी, अनुभव एवं विशेषज्ञता का आदान-प्रदान तथा पारस्परिक सहयोग हेतु नेटवर्क निर्माण होगा। साथ ही, संयुक्त अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाएं संचालित हो सकेंगी, जिसमें आवश्यकतानुसार तृतीय पक्ष संस्थाओं को भी शामिल किया जा सकेगा। दोनों पक्षों के चिकित्साकर्मियों एवं विद्यार्थियों का आदान-प्रदान हो सकेगा। स्नातक, परास्नातक विद्यार्थी, पोस्ट-डॉक्टोरल एवं क्लिनिकल ट्रेनिंग फेलो, हेल्थ वर्कर्स एवं अकादमिक स्टाफ इस एमओयू के माध्यम से नई तकनीक एवं नवाचारों को सीखकर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत बनाने में भूमिका निभा सकेंगे। एमओयू के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं तकनीकी कार्यक्रमों में फंडिंग आदि के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। साथ ही, आपसी सहमति से अन्य नए क्षेत्रों में सहयोग मिल सकेगा। यह एमओयू दोनों पक्षों को स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन, अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा वैश्विक स्तर पर चिकित्सा शिक्षा के मानकों को मजबूत बनाने में सहयोग करेगा।

कार्यकाल पूर्ण होने पर एडवोकेट नईमुद्दीन आकिल का सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पारिवारिक न्यायालय बार एसोसिएशन जयपुर में कार्यकाल संपूर्ण होने पर संयुक्त सचिव नईमुद्दीन आकिल एडवोकेट को अध्यक्ष विष्णु कुमार शर्मा महासचिव सुरेंद्र सिंह द्वारा सम्मानित किया गया।

दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था फेल, सरकार को जवाब देना होगा- नईमुद्दीन आकिल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया तंजीम इंसाफ राजस्थान, दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट से बेहद स्तब्ध, शोकाकुल और व्यथित है। कई निर्दोष लोगों की जान एक पल में चली गई — किसी का बेटा, किसी की बेटी, किसी का पिता, किसी की मां। हमारे दिल उन परिवारों के साथ हैं जिनकी दुनिया इस बर्बर हिंसा में हमेशा के लिए बदल गई। शब्द उनके दर्द को कम नहीं कर सकते, पर हम उनके साथ खड़े हैं—दुःख में, आंसुओं में और न्याय की मांग में। यह त्रासदी केवल एक आतंकवादी हमला नहीं है—यह इस बात का भयानक प्रमाण है कि जब सुरक्षा व्यवस्था विफल होती है तो आम नागरिक कितने असहाय हो जाते हैं। देश की राजधानी में इस तरह का हमला होना केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय की गंभीर एवं अक्षम्य विफलता को उजागर करता है, जिसके अधीन दिल्ली पुलिस कार्य करती है। जबकि दिल्ली दहशत और असुरक्षा में डूबी हुई है, गृह मंत्री श्री अमित शाह बिहार में चुनाव अधिकारियों से बैठक करते बैठे हैं—और दिल्ली तथा दिल्लीवासियों की सुरक्षा को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। हम आहत हैं। हम क्रोधित हैं। और हम इस लापरवाही पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हैं, जिसने कई परिवारों की ज़िंदगी हमेशा के लिए उजाड़ दी। भारत सरकार और गृह मंत्री को जनता के प्रति जवाबदेह होना ही होगा। जिम्मेदारी से भागा नहीं जा सकता। हम मांग करते हैं कि इस कायराना और क्रूर हिंसा में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक-एक करोड़ रुपये के मुआवज़े की तत्काल घोषणा की जाए। यह उन परिवारों के प्रति राष्ट्र का न्यूनतम कर्तव्य है।

दो स्थानों पर अवैध बिल्डिंगों को किया सील

-ग्यारह बीघा भूमि पर दो अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-05 में श्याम नगर विस्तार के प्लॉट नं. एफ-150 में सैटबैक कवर कर बने बेसमेन्ट$03 मंजिला अवैध निर्माण को सील किया गया। जोन-10 में ईकोलोजिकल जोन आगरा रोड़, विजयपुरा रोड़ पर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बनी बेसमेन्ट$02 मंजिला तथा ग्राउण्ड$ 01 मंजिला दो अवैध बिल्डिंगों की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। जोन-12 में निजी खातेदारी करीब 11 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-05 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित श्याम नगर विस्तार के प्लॉट नं. एफ-150 में सैटबैक कवर कर बेसमेन्ट$03 मंजिला अवैध निर्माण किये जाने पर पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर उक्त 03 मंजिला अवैध निर्माण के प्रवेश द्वारों, गेटों, खिडकियों पर इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईटों की दीवार चुनवाकर ताला

सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि जोन-10 के क्षेत्राधिकार ईकोलोजिकल जोन में अवस्थित आगरा रोड़, विजयपुरा रोड़, गायत्री मार्केट में बेसमेन्ट$ 02 मंजिला एवं ग्राउण्ड$01 मंजिला दो बिल्डिंगों का अवैध निर्माण किये जाने पर पर निर्माणकर्ताओं को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ताओं द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर उक्त अवैध 02 बिल्डिंगों के प्रवेश द्वारों, गेटों, शटर पर इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ताला सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।

जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित कालवाड़ रोड़, निवारू रोड़, लालचन्दपुरा, जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारम्भिक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

पहली बार राज्य के सातों संभाग मुख्यालयों पर आयोजित होगा घूमर फेस्टिवल- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

-राज्यस्तरीय घूमर फेस्टिवल जयपुर में विद्याधर नगर स्टेडियम के फुटबॉल ग्राऊंड पर होगा आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) ।उपमुख्यमंत्री और पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि घूमर नृत्य राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि राज्य में पहली बार घूमर नृत्य आधारित घूमर फेस्टिवल - 2025 का बुधवार, 19 नवम्बर, 2025 को आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन राज्य के सातों संभाग मुख्यालयों पर एक ही दिन 19 नवम्बर को भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। वहीं इसी दिन जयपुर के जयपुर में विद्याधर नगर स्टेडियम के फुटबॉल ग्राऊंड पर राज्यस्तरीय घूमर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में घूमर महोत्सव, 2025 की तैयारी एवं समन्वय के संबंध में बुधवार को राजस्थान पर्यटन भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में जनप्रतिनिधियों एवं स्टेकहोल्डर्स के साथ एक बैठक आयोजित हुई। दिया कुमारी ने बताया कि जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, कोटा और भरतपुर में 19 नवंबर को आयोजित हो रहा यह घूमर महोत्सव राजस्थान की कला संस्कृति से छटा बिखेरेगा। इसमें 12 वर्ष से अधिक उम्र की बालिकाएं और किसी भी उम्र की महिलाएं इसमें भाग ले सकती हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्कूल-कॉलेज की छात्राओं, गृहणियों, प्रोफेशनल डाँसर, कामकाजी महिलाओं का आह्वान किया कि वे इस नृत्य फेस्टिवल में भाग लें और अपनी कला संस्कृति को बढ़ावा दें। दिया कुमारी ने सभी को घूमर महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फेस्टिवल में पधारने वाले दर्शको से भी पारम्परिक वेशभूषा में आने का आग्रह किया।

निःशुल्क पंजीकरण-

राजस्थान पर्यटन विभाग की website: ghoomar.rajasthan.gov.in पर निःशुल्क पंजीकरण किया जा सकता है।

नृत्य तैयारी के लिए निःशुल्क वर्कशॉप-

सातों शहर में निःशुल्क वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर में जवाहर कला केन्द्र में 06 दिवसीय वर्कशॉप चालू है। (11 से 16 नवम्बर, 2025)

साऊण्ड ट्रेक पर होगी घूमर-

घूमर के आयोजन के लिए विशेष रूप से साऊण्ड ट्रेक तैयार करवाया गया है।

राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का लोगो हुआ लॉन्च

-डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने किया विमोचन

-नशे के खिलाफ अभियान को मिलेगी नई पहचान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को अब अपना लोगो मिल गया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय सभागार में इस टास्क फोर्स के लोगो का विमोचन किया और इससे जुड़े पुलिस अधिकारियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डीजी (लॉ एंड आर्डर) संजय कुमार अग्रवाल, एडीजी (एटीएस) दिनेश एम.एन., टास्क फोर्स के आईजी विकास कुमार, कुंवर राष्ट्रदीप, योगेश यादव, विकास शर्मा, दीपक अग्रवाल सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ सशक्त प्रतिबद्धता का प्रतीक—

नया लोगो राजस्थान पुलिस की नारकोटिक्स विरोधी मुहिम को सशक्त और संगठित पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह लोगो नशे के खिलाफ पुलिस की "संकल्प, समर्पण और सतर्कता" की भावना को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाता है। डीजीपी शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स नशे की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने, अवैध तस्करी पर नियंत्रण और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए निरंतर अभियान चला रही है। उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में और अधिक प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-12 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में लालकोठी मण्डी, किसान भवन के पीछे, सहकार मार्ग, डब्ल्यूटीपी, मालवीय नगर पुलिया के नीचे, राजेन्द्र मार्ग, मंगल मार्ग, झालाना रोड, गाँधी सर्किल, टोंक रोड कैलाश टावर आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 12 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में लालकोठी मण्डी, किसान भवन के पीछे, सहकार मार्ग, डब्ल्यूटीपी, मालवीय नगर पुलिया के नीचे, राजेन्द्र मार्ग, मंगल मार्ग, झालाना रोड, गाँधी सर्किल, टोंक रोड कैलाश टावर आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 12 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम

द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा से यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

-मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहारिक पुनर्वास पर केंद्रित रहा उच्चस्तरीय संवाद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के साथ मुलाकात की और एक उच्च स्तरीय संवाद के दौरान मानसिक स्वास्थ्य एवं वेल-बीइंग पर सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। बैठक के दौरान पुलिस के साथ वर्ष 2021 में हुए एमओयू की समीक्षा के साथ इसके दायरे को विस्तृत करने और भविष्य में संयुक्त रूप से पहल शुरू करने पर चर्चा हुई। मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान डीजीपी शर्मा ने कहा कि पुलिसकर्मियों का मानसिक स्वास्थ्य सार्वजनिक सुरक्षा और सेवा गुणवत्ता से सीधा जुड़ा है, इसलिए यह हमारी शीर्ष प्राथमिकता में भी है। उन्होंने यूनिवर्सिटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कहा कि यह संवाद राजस्थान पुलिस में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण की दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और वेल बीईंग से संबंधित कई महत्वपूर्ण

विषयों पर चर्चा की गई । इसके तहत पुलिसकर्मियों की विविध सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए विविधता और समावेश पर कार्य किया जाए, वहीं ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले अधिकारियों में व्यवहारिक पहलू और भावनात्मक लचीलापन बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही, नशा और पदार्थ दुरुपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने, पुनर्वास कार्यक्रमों की आवश्यकता, आत्महत्या और हिंसा के मामलों के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा की गई। संवाद के दौरान मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने शोध, प्रशिक्षण मॉड्यूल, वर्कशॉप और काउंसलिंग ढांचे के माध्यम से राजस्थान पुलिस की आवश्यकताओं के अनुरूप सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में यह सहमति बनी कि दोनों पक्ष मिलकर एक विस्तारित एवं समग्र एमओयू तैयार करेंगे, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहारिक पुनर्वास, जेंडर व विविधता संवेदनशीलता और समावेशी प्रशिक्षण जैसे क्षेत्र शामिल होंगे। इससे पूर्व दोपहर में मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक दौरान पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) अनिल पालीवाल ने पूर्व में किए गए एमओयू और यूनिवर्सिटी की वर्तमान अपेक्षाओं पर विस्तार से बातचीत की।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम—2026

-गणना प्रपत्र वितरण का आंकड़ा 3.50 करोड़ के पार, प्रदेश के 64% मतदाताओं तक पहुंचे गणना प्रपत्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की शुरुआत के बाद से अब तक प्रदेश भर में गणना प्रपत्र वितरण का आंकड़ा 3 करोड़ 50 लाख के पार पहुंच गया है। राज्य के 64% मतदाताओं तक गणना प्रपत्र पहुंचाए जा चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि मंगलवार को 8 दिवसों की समाप्ति तक 85% वितरण के साथ झालावाड़ लगातार अग्रणी जिला बना हुआ है। चित्तौड़गढ़,राजसमंद एवं उदयपुर भी 75% से अधिक वितरण के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे एवं चौथे स्थान पर हैं। गणना प्रपत्र वितरण में करौली जिला 53% के साथ में सबसे नीचे है। बीकानेर, सवाई माधोपुर एवं झुंझुनू नीचे से दूसरे, तीसरे एवं चौथे स्थान पर हैं । विधानसभा क्षेत्र में डग 93% मतदाताओं तक गणना प्रपत्र पहुंचा कर सबसे ऊपर स्थान बनाए हुए है, जिनके बाद के दो विधानसभा क्षेत्र बेगूं 90% एवं बसेड़ी 87% हैं। इस तालिका में सबसे नीचे भरतपुर 47 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण के साथ स्थित है। गंगानगर, बीकानेर पश्चिम एवं लाडपुरा नीचे से क्रमशः दूसरे से चौथे स्थान पर रुके हुए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने डिजिटलाजेशन को बढ़ाने हेतु सटीक रणनीति तैयार करने व बीएलओ को सहायता प्रदान करने हेतु सख्त आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक समयबद्ध कार्यक्रम है और इसमें कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग भी इस कार्यक्रम के प्रति काफी सजग है और उनके द्वारा भी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

अंता विधानसभा उपचुनाव-2025,मतदाताओं ने छेड़ी वोटों की रागिनी

-खुशनुमा मौसम में उत्साह और उमंग के साथ मतदान केन्द्रों पर पहुंचे मतदाता

-कई जगह लगी लम्बी कतारें, सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे

बारां (रॉयल पत्रिका)। सर्द मौसम और गुनगुनी धूप के बीच सुहाने मौसम में अंता में मंगलवार को विधानसभा उपचुनाव में मतदाताओं ने झूमकर वोटों की रागिनी छेड़ी। मतदाता अपार उत्साह के साथ घरों से निकले और उमंग भरे माहौल में अपने मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान किया। कस्बाई व ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतंत्र के इस उत्सव में मतदाताओं ने तर्जनी पर अमिट स्याही लगवाते हुए मताधिकार का उपयोग किया। उपचुनाव में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। विधानसभा उपचुनाव के तहत सभी 268 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से मतदान प्रारंभ हुआ। यहां मतदान दलों ने मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पूर्व पोलिंग एजेन्टों की मौजूदगी में ईवीएम पर मॉक पोल का प्रदर्शन किया गया। कई मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही बड़ी संख्या में मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। कई स्थानों पर मतदाताओं ने लम्बी कतारों में धैर्य के साथ खड़े रहकर मताधिकार के लिए अपनी बारी का इंतजार किया। उम्रदराज, दिव्यांगजन, महिला मतदाता भी वोट डालने में पीछे नहीं रहे। वहीं पहली बार मताधिकार का उपयोग कर रहे नव मतदाता पूरे जोश के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचे। कई महिला-पुरुष परंपरागत वेशभूषा

में लोकतंत्र के महायज्ञ में अपनी भागीदारी देने पहुंचे। केन्द्र कृषि विज्ञान केंद्र अंता के किसान घर में स्थापित आदर्श मतदान केन्द्र पर सजावट से उत्सवी छटा बिखरी रही। यहां पहुंचने वाले मतदाता मतदान केन्द्र की साज-सज्जा देखकर अभिभूत रहे। महिला व दिव्यांगजन मतदान दल के कार्मिकों ने भी बखूबी अपने दायित्वों का निर्वहन किया। मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी मतदान केन्द्रों पर मेडिकल किट के साथ चिकित्सा कार्मिक की नियुक्ति की गई थी। मतदान के लिए आने वाली धात्री महिलाओं के लिए शिशु पालने रखवाए गए। दिव्यांगजन, बुजुर्ग व बीमार मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने बताया कि अंता में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। मतदाताओं ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच भयमुक्त वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान सुरक्षा को लेकर कड़े बन्दोबस्त किए गए थे। सभी चुनाव अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस बल के जवानों, स्वयंसेवी संस्थाओं आदि ने चुनाव से संबंधित अपने दायित्वों का कुशलता से निर्वहन करते हुए लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाया।

दिन चढ़ने के साथ बढ़ता गया मतदान का आंकड़ा-

सुबह 7 बजे से शुरू हुए मतदान के पश्चात 9 बजे 14.10, 11 बजे 29.86, 1 बजे 48.19, 3 बजे 65.95 तथा 5 बजे तक 77.98 फीसदी औसत मतदान दर्ज किया गया। मतदान केन्द्रों पर सांझ ढलने तक मतदाताओं की आवाजाही जारी रही। यहां वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में 80.35 प्रतिशत और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 69.67 प्रतिशत मतदान हुआ था।

पर्यवेक्षक ने लिया मतदान का जायजा-

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक सुभाश्री नंदा ने मतदान दिवस पर विभिन्न मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान कार्य का निरीक्षण किया तथा मतदान दल के कार्मिकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पर्यवेक्षक ने खजूरना कलां के बूथ नम्बर 67, 69, 72 तथा मोलकी के दिव्यांगजन बूथ व कृषि विज्ञान केन्द्र में यूनिक बूथ का अवलोकन किया। साथ ही मिनी सचिवालय में स्थापित मीडिया सेन्टर का निरीक्षण किया।

मतदान केन्द्रों पर लगी कतारें-

मतदान दिवस पर अधिकांश मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की आमदरफ्त से चहल-पहल बनी रही। इस दौरान मतदान केन्द्रों से मतदान कर बाहर निकले युवा एवं कई मतदाता अमिट स्याही वाली अंगुली दिखाकर फोटो खिंचवाते व सेल्फी लेते नजर आए। कुछ मतदान केन्द्रों पर लंबी लाइन होने से शाम 6 बजे बाद भी मतदान जारी रहा। क्षेत्र में नियुक्त सेक्टर मजिस्टे²ट भी मुस्तैदी के साथ कानून व्यवस्था पर निगरानी बनाए रहे।

मतदाताओं का आभार-

जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव में पूर्ण उत्साह के साथ सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक करने का लाभ मिला। तोमर ने लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था का प्रदर्शन करने पर सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मतदान में लोगों की सजगता पूर्ण सहभागिता से लोकतंत्र सुदृढ़ होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने शांतिपूर्ण मतदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुनाव अधिकारियों, मतदान दलों के अधिकारियों, पुलिस कर्मियों व सुरक्षा बलों, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों, चिकित्साकर्मियों, स्काउट गाइड, बीएलओ, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापार संगठनों, हेला टोली सदस्यों सहित निर्वाचन में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों का भी आभार जताया है।

लाइव वेब कास्टिंग से निगरानी-

अंता में सभी संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा और निगरानी के लिए प्रबंध रहे। वेब कास्टिंग कैमरों द्वारा संवेदनशील सहित सभी मतदान केन्द्रों पर लाइव निगरानी रखी गई।

मौलाना आज़ाद के व्यक्तित्व को अपना आदर्श बनायें- डॉ. काज़मी

-राष्ट्रीय शिक्षा दिवस एवं मौलाना आज़ाद के 137वें जन्मोत्सव पर हुआ आयोजन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, लेखक, पत्रकार और विचारक थे। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री रहें और उन्होंने अपने जीवन को शिक्षा, एकता और सामाजिक सुधार के कार्यों के लिए समर्पित किया। वे हिन्द-मुस्लिम एकता के पक्षधर रहे। ये कहना है मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय जोधपुर के अध्यक्ष डॉ जमील काज़मी का। वे मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जन्मदिवस पर घोषित राष्ट्रीय शिक्षा दिवस एवं उनके 137वें जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अपना सम्बोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मौलाना आज़ाद का योगदान भारतीय समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वह बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी थे। हम सब उनके व्यक्तित्व को अपना आदर्श बनाये। प्रोग्राम कॉर्डिनेटर व उर्दू विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर अज़ीज़ुलहसन ने कहा कि मौलाना आज़ाद का जीवन शिक्षा, मानवता और एकता के आदर्शों से परिपूर्ण था। उन्होंने आधुनिक भारत की शिक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव रखी। भारत सरकार ने उनकी स्मृति में 11 नवम्बर को "राष्ट्रीय शिक्षा दिवस" (नेशनल एज्यूकेशन डे) घोषित किया है जो उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण और आदर्शों

को स्मरण करता है। शिक्षा विभाग की डीन डॉ. समीना ने बताया कि मौलाना आज़ाद का मानना था कि शिक्षा हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की नींव रखी। उनका कथन था "शिक्षा का अर्थ केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि मनुष्य का पूर्ण विकास है।" उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), यूनिवर्सिटी एज्यूकेशन कमीशन, सेकेन्ड्री एज्यूकेशन कमीशन, ऑल इण्डिया कौंसिल फॉर टेक्निकल एज्यूकेशन, इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर टेक्नॉलोजी, इण्डियन कौंसिल फॉर एग्रीकल्चरल एण्ड साइंटीफिक रिसर्च, आईआईटी खड़गपुर, साहित्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी व ललित कला अकादमी जैसे कई प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना की। इन संस्थानों ने भारतीय शिक्षा और संस्कृति को एक नई दिशा दी। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अब्दुल्लाह खलिद ने कहा कि मौलाना आज़ाद ने तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा को आधुनिक भारत की प्रगति के लिए आवश्यक माना। उन्होंने उच्च शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा को भी बढ़ावा दिया। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना ने बताया कि मौलाना आज़ाद ने हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं को भारत की सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में देखा। उनके अनुसार, भाषा विभाजन का नहीं, एकता का माध्यम होनी चाहिए। डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने बताया कि एमएससी थर्ड सेम की छात्रा ज़हीन सय्यद, एमए थर्ड सेम के छात्र इदरीस, एमए थर्ड सेम के छात्र सज्जाद ने देश की आज़ादी में मौलाना आज़ाद के संघर्ष और आजादी के बाद के नये भारत के विकास में उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर कॉमर्स डीन डॉ एन के बोहरा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. साबरा कुरैशी, डॉ. डिम्पल प्रजापत, डॉ. अशोक भार्गव, डॉ. मीना राव सहित समस्त स्टाफ एवं कई स्टूडेन्ट्स मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं के परिगणना प्रपत्र वितरण कार्य का किया निरीक्षण

-सवाई माधोपुर के खिरनी एवं बामनवास के बौंली नगरपालिका में बीएलओ के साथ बैठक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर काना राम ने मंगलवार को सवाई माधोपुर विधानसभा क्षेत्र के खिरनी एवं बामनवास विधानसभा के बौंली नगरपालिका के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर-2026) के तहत 4 दिसम्बर तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से परिगणना प्रपत्र भरवाने का कार्य किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी धरातल पर एसआईआर अभियान की प्रगति का जायजा लेने के लिए क्षेत्र के दौरे पर गए थे। उन्होंने खिरनी एवं बौंली में बीएलओ के साथ बैठक की और उनसे प्रत्यक्ष फीडबैक लिया। उन्होंने मौजूद मतदाताओं से भी परिगणना प्रपत्र भरने में सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि "हर मतदाता को सही और अपडेट जानकारी देना लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। बीएलओ घर-घर

जाकर परिगणना प्रपत्र भरवाएं, ताकि नाम जोड़ने, संशोधन करने और विलोपन की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता से संपन्न हो सके।" काना राम ने बीएलओ को मतदाता फॉर्म भरने, रंगीन फोटो उपलब्ध करवाने तथा परिवार के मुखिया एवं सदस्यों द्वारा जानकारी सही-सही अंकित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सवाई माधोपुर विधानसभा के भाग संख्या 46 से 51 तक एवं बामनवास विधानसभा के 55 से 63 सहित अन्य क्षेत्रों में फॉर्म वितरण की प्रगति की समीक्षा की और सभी बीएलओ को ऑनलाइन मैपिंग कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, फॉर्म वितरण कार्य को आगामी दो दिवस में शतप्रतिशत करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और समयबद्ध रूप से संपादित की जानी चाहिए। सघन निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम में नियोजित सभी बीएलओ/सुपरवाइजर को निर्देश प्रदान किए गए कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम समयबद्ध है एवं इसमें मतदाताओं की मैपिंग एवं सर्वे गणना प्रपत्र वितरण, सूचना संकलन एवं प्रपत्र संग्रहण करने की प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से निरन्तर रखी जानी है। उन्होंने इस कार्य में किसी प्रकार की उदासीनता एवं अरूचि रखे जाने पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी।

गीतांजली यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस प्रथम प्रोफेशनल बैच 2025 का ओरिएंटेशन कार्यक्रम संपन्न

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली यूनिवर्सिटी, उदयपुर में एमबीबीएस प्रथम प्रोफेशनल (बैच 2025) के विद्यार्थियों हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन भव्य रूप से किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 250 नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जे.पी. अग्रवाल रहे तथा विशेष अतिथि के रूप में गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल एवं डॉ. आर.के. व्यास (प्रेसिडेंट, गीतांजली यूनिवर्सिटी) उपस्थित रहे। अन्य गणमान्य अतिथियों में डॉ. संगीता गुप्ता (डीन, जीएमसीएच), डॉ. मनजिंदर कौर (एडिशनल प्रिंसिपल), डॉ. हरप्रीत सिंह (मेडिकल सुप्रीनटेनडेंट), संदीप कुमावत (वाईस प्रेसिडेंट) एवं ऋषि कपूर (सीईओ, जीएमसीएच) शामिल रहे। डॉ. हरप्रीत सिंह ने गीतांजली ग्रुप की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए यूनिवर्सिटी और हॉस्पिटल की विशेषताओं का परिचय कराया। डॉ. मनजिंदर कौर ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की सुविधाओं एवं शैक्षणिक

वातावरण से परिचित कराया तथा एमबीबीएस पाठ्यक्रम की रूपरेखा समझाई। डॉ. जितेन्द्र जीनगर ने विद्यार्थियों को रैगिंग एवं एंटी-रैगिंग उपायों के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा रैगिंग के प्रति विश्वविद्यालय की 'शून्य सहनशीलता नीति' (Zero Tolerance Policy) लागू है। डॉ. संगीता गुप्ता ने नए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सब अगले साढ़े पाँच वर्षों तक गीतांजली यूनिवर्सिटी ही आपका घर है और आप यहाँ एक कुशल और संवेदनशील मेडिकल प्रोफेशनल के रूप में विकसित होंगे। डॉ. आर.के. व्यास ने विद्यार्थियों को नियमितता और निरंतरता बनाए रखने की प्रेरणा दी। जे.पी. अग्रवाल ने अपने प्रेरणादायी संबोधन मंव ज्ञानार्जन एवं कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को अच्छे संस्कारों और आदतों को अपनाने की सलाह दी, जिससे व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास संभव हो सके। वरिष्ठ छात्राओं सुश्री अनुष्का सोनी एवं डॉ. वंशिका गुप्ता ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों के साथ गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर गीतांजली यूनिवर्सिटी की वार्षिक पत्रिका "एहसास" का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पारुल चतुर्वेदी ने किया।

जिला कलक्टर की अपील: राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण में दें सहयोग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। देश के आम परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए उनके पहलुओं की सटीक जानकारी एकत्र करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सैम्पल सर्वेक्षण (एनएसएस) के 80वें दौर के तहत जिले के चयनित ग्रामों एवं नगरीय खण्डों में दिसंबर 2025 तक सर्वेक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है। जिला कलक्टर काना राम ने आम लोगों, जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, पार्षदों, समाज के प्रबुद्धजनों, वेलफेयर सोसाइटीज और उद्योग संगठनों से इस कार्य में समुचित भागीदारी का आग्रह किया है। जिला कलक्टर ने सभी से अपील की है कि जनप्रतिनिधि और प्रबुद्धजन भारत सरकार द्वारा संचालित एनएसएस कार्य के महत्व के बारे में आमजन को जागरूक करें। जब भी सांख्यिकी विभाग के अधिकारी या कर्मचारी सर्वेक्षण हेतु आपके

यहां आएं, तो उन्हें सही, संपूर्ण और तथ्यात्मक जानकारी दें, ताकि संकलित सूचना का राष्ट्रीय योजनाओं के निर्माण एवं नीति-निर्धारण में उपयोग किया जा सके। वर्तमान में राज्य में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण यह सर्वेक्षण कार्य आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग सवाई माधोपुर तथा अधीनस्थ ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालयों के कार्मिकों द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान सांख्यिकी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी गांवों और शहरों में घरों तथा व्यवसायों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। यह जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है तथा इसका उपयोग केवल विकास योजनाओं को बेहतर बनाने के लिए होता है।

सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के नौ गांवों में खुलेंगी राशन की दुकानें

-कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के प्रस्ताव पर रसद विभाग ने दी मंजूरी

मोहम्मद यासीन

सुमेरपुर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय विधायक व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत को अपने विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर का विकास पुरूष यूं ही नहीं कहा जाता है। इन्ही के एक के बाद एक सफल प्रयासों की बदौलत विधानसभा क्षेत्र के लोगों को लगातार अनेक सौगातें मिल रही हैं। इसी कड़ी में मंत्री कुमावत की कड़ी में एक और विकास कार्य सूचिबद्ध हो गया है। इस बार स्थानीय विधायक व मंत्री कुमावत ने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्रों के नौ गांवों में राशन की दुकानें मंजूर करवाई हैं। आगामी दिनों में इन नवसृजित दुकानों पर पात्र लोगों को रियायती दर पर राशन उपलब्ध होगा। कुमावत ने बताया कि ग्राम पंचायत सोनाई मांझी के गांव बुधवाड़ा, ग्राम पंचायत मुख्यालय डेंडा, ग्राम पंचायत डिंगाई के गांव जैतपुरा, ग्राम पंचायत हेमावास के रामासिया, ग्राम पंचायत मुख्यालय भांवरी, ग्राम पंचायत सिंदरू के गांव खिंदारा, ग्राम पंचायत देवतरा के गांव आकदड़ा, ग्राम पंचायत बामनेरा के गांव पोयणा तथा ग्राम पंचायत नादान भाटान के गांव खटुकड़ा में नई राशन की दुकान स्वीकृत हुई है। उन्होंने बताया कि रसद विभाग द्धारा इन दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। आवेदन पत्रों की विस्तृत जांच के बाद विभाग ने इनकी स्वीकृति जारी की है। अब जल्द ही इन नवसृजित राशन की दुकानों पर लाभार्थी राशनकार्ड धारकों को केंद्र व राज्य सरकार द्धारा उपलब्ध कराई जाने वाली खाद्य सामग्री मुहैया होगी। आपको बता दें इनमें से कई गांव के लोग पंचायत मुख्यालय पर राशन की दुकान से राशन लेने के लिए आते हैं। इन गावों में आज तक कोई राशन की दुकान नहीं थी। ग्रामीणों की इस परेशानी को देखते हुए मंत्री जोराराम कुमावत ने रसद विभाग के अधिकारियों को इन गावों में राशन की दुकानों को खोलने का प्रस्ताव भेजा था जिस पर इन गावों में राशन की दुकान खोलने का निर्णय लिया गया है। जिन गांवों में राशन की दुकान स्वीकृत हुई है उनमें अधिकांश गांव ऐसे हैं जहां पर आज दिन तक राशन की दुकान आवंटित नहीं हुई थी। इस कारण बीपीएल खाद्य सुरक्षा श्रेणी में आने परिवार के लोगों को अन्य गांव में राशन लेने के लिए जाना पड़ता था। इससे उनको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मंत्री कुमावत की अनुशंसा से इन गावों में दुकान का आवटन होने पर गांव में ही राशन वितरण की सुविधा प्रारंभ हो सकेगी। स्थानीय विधायक व कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के प्रयासों से इन गांवों को मिली इस सौगात पर सरपंच पूर्ण कंवर, मनोहर सीरवी मंडल अध्यक्ष हेमावास, वोराराम सीरवी पूर्व मंडल अध्यक्ष, जिला परिषद् सदस्य नन्दनी सीरवी, पंचायत समिति सदस्य रामलाल, मोहन पटेल, वीरप्रतापसिंह, दिलीपसिंह सरपंच, मंगलाराम प्रजापत पूर्व मंडल अध्यक्ष गुन्दोज, मांगूसिंह डेन्डा मंडल अध्यक्ष गुन्दोज, जिला परिषद सदस्य पूजा कँवर, प्रधान मोहिनी देवी पाली, पंचायत समिति सदस्य सायरी देवी, उम्मेदसिंह डेन्डा, प्रेम कुमारी सरपंच, जिला परिषद सदस्य पिस्ता कंवर, शैतानसिंह डिंगाई, वोवाराम कुमावत, मोहनलाल सरपंच, सुनीता सरपंच, चौथी देवी सरपंच, शिवराजसिंह बिठिया पूर्व मंडल अध्यक्ष, हद्मंत सिंह बांकली मंडल अध्यक्ष, जिला परिषद् सदस्य तनुश्री चौहान, पंचायत समिति सदस्य पायल जोशी, प्रधान उर्मिला कंवर, जिला मंत्री दिनेश सिंह खिन्दारा, लुबाराम देवासी, छगनलाल मीणा सरपंच, महिपालसिंह जोधा पूर्व मंडल अध्यक्ष सांडेराव, रतन देवासी मंडल अध्यक्ष सांडेराव, जिला परिषद् सदस्य अनुराधासिंह, पंचायत समिति सदस्य सुमन, शंकरसिंह राजपुरोहित, मुकेश मोदी, भूराराम कुमावत, तेजसिंह आकदडा, देवाराम चौधरी देवतरा, रमणीक त्रिवेदी सरपंच, संतोष सुथार बामनेरा, अजयपालसिंह लाम्बा पोयणा, किरण राव सरपंच, हुकुमसिह खरोकडा पूर्व मंडल अध्यक्ष खौड, नारयणसिंह बालराई मंडल अध्यक्ष खौड, जिला परिषद सदस्य दुर्गा सीरवी, नारयणसिंह राव नादाना भाटान, हरिसिंह खटूकड़ा ने उनका आभार व्यक्त किया है।

"बच्चों के खिलाफ अपराधों की जानकारी जाहिर नहीं होना पीड़ित बच्चों के प्रति अन्याय"

-विशेषज्ञों ने कहा - बच्चों को भावनात्मक रूप से सुरक्षित वातावरण देना सबकी जिम्मेदारी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। देश के बेहतर भविष्य के लिए बच्चों को सशक्त करना होगा और उनसे जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की जानकारी जाहिर नहीं होना या छुप जाना भी पीड़ित बच्चों के प्रति अन्याय है। बाल अधिकारिता विषय पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली और जिला प्रशासन सवाई माधोपुर की ओर से बुधवार को राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय ऑडिटोरियम में आयोजित कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने यह बात कही। जिला प्रशासन की ओर से कार्यशाला को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा ने कहा कि शिक्षक, अधिकारी, अभिभावक सहित सभी संबंधित पक्ष बालकों के अधिकारों के प्रति जागरूक और संवेदनशील रहें, नहीं तो हमारी आने वाली पीढ़ियों को नुकसान होगा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस-प्रशासन की टीमें बच्चों से संबंधित पुलिस के मामलों पर संवेदनशीलता से कार्य कर रही हैं।

भावनात्मक सुरक्षा जरूरी-

बाल अधिकार विशेषज्ञ और राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य शैलेन्द्र पंड्या ने बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों और स्वयं बच्चों को सशक्त बनाने, स्कूलों में और साइबर दुनिया में परेशान करने की घटनाओं की पहचान, रोकथाम और उत्तरदायी व्यवस्था तैयार करने के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की समस्याओं को हल करने, उनके किसी भी तरह के डर को दूर करने और उनकी भौतिक तथा भावनात्मक सुरक्षा की जिम्मेदारी विद्यालयों, शिक्षकों, अभिभावकों, स्वयं बच्चों तथा पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों की है। उन्होंने इस विषय पर नियमावली और कानूनों की विस्तार से जानकारी दी।

बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों पर चुप्पी नहीं बरतें, साहस के साथ सामना करें-

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बाल श्रम उन्मूलन प्रकोष्ठ की प्रमुख पायल शर्मा ने बाल मजदूरी निषेध एवं नियंत्रण अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, बाल यौन अपराध रोकथाम अधिनियम, शिक्षा के अधिकार अधिनियम आदि में बच्चों की सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों में विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों और अभिभावकों एवं बाल कल्याण समिति सहित बाल अधिकारिता, श्रम, पुलिस तथा विधिक सेवा विभागों के अधिकारियों की भूमिका के बारे में बताया। पायल शर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और कानून के साथ संघर्ष के प्रति उनके व्यवहार में सुधार हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

चूरू की रेहाना रियाज चिश्ती बनीं एआईसीसी सचिव, महाराष्ट्र की सह-प्रभारी नियुक्त

-राजस्थान महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेहाना रियाज को कांग्रेस हाईकमान ने दी नई जिम्मेदारी, कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में सचिव तथा महाराष्ट्र राज्य में सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। एआईसीसी के जनरल सेक्रेटरी के सी वेणुगोपाल द्वारा जारी आदेश में रेहाना रियाज को यह जिम्मेदारी दी गई है। रेहाना रियाज इससे पहले राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। उनको नई जिम्मेदारी देने पर चूरू ज़िले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साह व्यक्त किया है। रेहाना रियाज ने अपनी नियुक्ति पर कांग्रेस आलाकमान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाने की कोशिश करेंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी सचिव और महाराष्ट्र जैसे सशक्त और राजनीतिक रूप से समृद्ध राज्य का सह-प्रभार देने के लिए मैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मल्लिकार्जुन खड़गे, हमारे प्रेरणास्रोत एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तथा एआईसीसी संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि पार्टी और देश की सेवा का एक नया संकल्प है। मैं विश्वास दिलाती हूँ कि नेतृत्व द्वारा जताए गए इस विश्वास पर पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ खरी उतरने का हर संभव प्रयास करूंगी। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस वह पार्टी है, जिसने हमेशा जमीनी कार्यकर्ताओं को पहचान दी है, और मुझे गर्व है कि मैं भी इसी परंपरा का प्रत्यक्ष उदाहरण हूँ। कार्यकर्ता से लेकर सचिव पद की इस जिम्मेदारी तक का सफर, कांग्रेस पार्टी के लोकतांत्रिक और समावेशी चरित्र का प्रमाण है। महाराष्ट्र में संगठन को सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा देने, और पार्टी के विचारों को हर वर्ग तक पहुँचाने के लिए मैं पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करूंगी।

अमेरिका के प्रतिबंधों का तोड़ निकालेंगे भारत, रूस

● डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने रूसी ऊर्जा कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर है। लेकिन हाल में रूसी कंपनियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण भारत के लिए मुश्किल हो गई है।

ट्रंप प्रशासन ने रूसी ऊर्जा कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं, क्योंकि उनका दावा है कि ये कंपनियां रूसी युद्ध के लिए पैसा जुटा रही हैं। भारत की तेल सप्लाई में इन कंपनियों की करीब 60 फीसदी हिस्सेदारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह दावा कर रहे हैं कि भारत ने रूसी तेल का आयात काफी कम कर दिया है। लेकिन भारत में राजदूत डेनिस अलिपोव का कहना है कि रूस ने भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए एक भरोसेमंद साथी साबित किया है।

अलिपोव ने बताया कि दोनों देश रूसी तेल कंपनियों पर लगे एकतरफा प्रतिबंधों के बीच रास्ता निकालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रूस भारत को सबसे अच्छी कीमत और गुणवत्ता वाले तेल के विकल्प दे रहा है। अलिपोव ने कहा, ÷रूस हाल ही में भारतीय बाजार में कच्चे तेल का एक बड़ा सप्लायर बन गया है। यह भारत के तेल आयात का एक तिहाई से ज्यादा हिस्सा पूरा करता है। रूस ने खुद को एक मजबूत साथी के तौर पर साबित किया है, जो सबसे अच्छी कीमत और गुणवत्ता वाले विकल्प दे सकता है।÷प्रतिबंधों का असर

उन्होंने आगे कहा, ÷हमारी लगातार बातचीत भारत की जरूरतों को पूरा करती है और उसकी ऊर्जा क्षमता को बढ़ाती है। भले ही अतीत में हमारे साझेदारी को तोड़ने की कई कोशिशें हुई हों। इसलिए, हम निश्चित रूप से एक नया रास्ता निकालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि हमारे दोस्ताना देशों के लोगों के फायदे के लिए द्विपक्षीय ऊर्जा संवाद जारी रहेगा। जब उनसे पूछा गया कि प्रतिबंधों का भारत-रूस संबंधों पर क्या असर होगा तो अलिपोव ने कहा, ÷अवैध एकतरफा प्रतिबंध आर्थिक विकास में बाधा डालते हैं, आम नागरिकों को प्रभावित करते हैं।

पराग पारिख म्यूचुअल फंड ने बढ़ाई इन कंपनियों में हिस्सेदारी, लिस्ट में एचडीएफसी भी

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्चित म्यूचुअल फंड कंपनी पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड ने 10 कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाया है। पीपीएफएएस म्यूचुअल फंड की तरफ से मासिक तौर पर जारी की जाने वाले रिपोर्ट के अनुसार आईटीसी, एचडीएफसी बैंक सहित 8 कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी को पिछले महीने बढ़ाया है। इस म्यूचुअल फंड कंपनी ने आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, सिप्ला, डॉ रेड्डी लैबोरेटरीज, ईआईडी पैरी इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में हिस्सेदारी को बढ़ाया है। पराग पारिख ने आईटीसी के 30.50 लाख शयेर खरीदे हैं। जिसके बाद उनके कुल शेयरों की संख्या 13.87 करोड़ हो गई है। अक्टूबर से पहले म्यूचुअल फंड के पास 13.57 करोड़ शेयर थे। फ्लेक्सी कैप फंड ने एचसीएल टेक्नोलॉजी के 5.35 लाख शेयर खरीदे थे।

अपने रोज़ाना आहार में एक मुट्ठी कैलिफ़ोर्निया बादाम शामिल करें

मुंबई, एजेंसी। वर्ल्ड डायबिटीज डे हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य डायबिटीज के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सभी के लिए उपचार को सुलभ बनाना है। इस साल की थीम डायबिटीज इन द वर्कप्लेस है, जो कामकाजी लोगों के लिए मधुमेह को समझने और उसे सही तरीके से संभालने के महत्व पर ज़ोर देती है। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में लोग अक्सर ऐसे खाद्य पदार्थ खाते हैं जो ज्यादा प्रसंस्कृत होते हैं और जिनमें चीनी व रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है। यही आदतें मधुमेह जैसी बीमारियों को बढ़ावा दे रही हैं। भारत, जिसे डायबिटीज की राजधानी कहा जाता है, अब इस समस्या से गंभीर रूप से जूझ रहा है। इंडियन कौंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च के एक हालिया अध्ययन के मुताबिक देश में 101 मिलियन लोग डायबिटीज से ग्रस्त हैं और 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं। संतुलित आहार ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और दिन की शुरुआत पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ करने से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बादाम, जिनमें 15 आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हैं, — जैसे प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट्स और आहार फाइबर — ब्लड शुगर के स्वस्थ नियंत्रण में सहायक होते हैं। रिसर्च से पता चला है कि बादाम न केवल स्वस्थ ब्लड शुगर स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं, बल्कि टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में ग्लूकोज़ नियंत्रण को भी बेहतर बनाते हैं तथा कार्बोहाइड्रेट-युक्त भोजन के बाद ब्लड शुगर के स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं।

रिलायंस पावर के शेयर में सोमवार को होगी हलचल कंपनी ने दी है सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड ने फर्जी बैंक गारंटी मामले में की गई गिरफ्तारी पर शनिवार को स्पष्टीकरण जारी किया है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने अमरनाथ दत्ता की गिरफ्तारी की है। दत्ता पर आरोप है कि उन्होंने रिलायंस पावर की एक सहायक कंपनी को भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) के टेंडर के लिए योग्य बनाने में मदद करने को 68 करोड़ से अधिक की जाली बैंक गारंटी की व्यवस्था करने और जमा करने में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अब इसी मामले में रिलायंस की सफाई आई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के मुताबिक दत्ता का रिलायंस पावर या उसकी किसी भी सहायक कंपनी से कोई संबंध नहीं है और इस घटनाक्रम का कंपनी के व्यावसायिक संचालन, वित्तीय प्रदर्शन या हितधारकों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस खबर के बीच निवेशकों की अब सोमवार को रिलायंस पावर के शेयर पर नजर रहेगी। रिलायंस पावर के शेयर अभी 40 रुपये के नीचे हैं। यह शेयर शुक्रवार को 4.48 प्रतिशतटूटकर बंद हुआ था। जांच एजेंसी के अनुसार, व्यापार वित्त सेवाएं देने का दावा करने वाले कोलकाता के सलाहकार दत्ता ने कंपनी के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी अशोक पाल और ओडिशा स्थित बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल के साथ समन्वय में काम किया, जिन्हें इसी मामले में पहले गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद दत्ता को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया और चार दिनों की ईडी हिरासत में भेज दिया गया। एजेंसी ने कहा कि वह कई पहलुओं से जांच कर रही है, जिसमें अपराध की आय का पता लगाना, लाभार्थियों की पहचान करना और अन्य संस्थाओं व व्यक्तियों से जुड़ी व्यापक साजिश की जांच करना शामिल है। इस बीच, रिलायंस पावर ने दोहराया कि वह और उसकी सहायक कंपनी, रिलायंस एनयू बेस लिमिटेड, अपने कर्मचारियों के साथ जालसाजी और धोखाधड़ी की साजिश का शिकार हैं। कंपनी ने उन मीडिया रिपोर्टों पर भी कड़ी आपत्ति जताई, जिनमें उसके प्रमोटर अनिल अंबानी को इस मामले से जोड़ा गया था।

पांच करोड़ की नौकरी को मारी लात

स्टैनफोर्ड का पीएचडी ऑफर भी छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी।
वरुण वुम्मादी को न स्टैनफोर्ड का पीएचडी ऑफर लुभा पाया। न ही 5,25,000 डॉलर (लगभग 5 करोड़) की नौकरी की पेशकश। उन्होंने 2023 में ही कुछ और इरादे बना लिए थे। इन बड़े ऑफरों को ठुकराकर वरुण ने अपने दोस्त ए. मणिदीप के साथ गीगा नाम का एआई स्टार्टअप शुरू किया। यह कंपनियों के ग्राहकों से बातचीत करने के तरीके को बदलने का काम करता है। वरुण और मणिदीप दोनों आईआईटी खड़गपुर के पढ़े हैं। गीगा बड़े पैमाने पर ग्राहक सेवाओं को ऑटोमेट कर सकता है। अलग-अलग भाषाओं में एक साथ चैट और बात करने में समर्थ है। दो साल बाद इस जोड़ी की मेहनत रंग लाई है। गीगा ने सिलिकॉन वैली के बड़े निवेशकों से 6.1 करोड़ डॉलर (सीरीज ए) जुटाए हैं। यह स्टार्टअप फूड डिलीवरी कंपनी डोरडैश जैसी बड़ी कंपनियों के साथ काम कर रहा है। आंध्र प्रदेश के विधायक नारा लोकेश ने भी वरुण वुम्मादी की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है।

25 साल के वरुण की कहानी सिर्फ पैसों की नहीं है। यह उस बड़े फैसले की है जो उन्होंने लिया। दो साल पहले वरुण और मणदिप अपने भविष्य के बारे में सोच रहे थे। मणदिप को एक भारतीय हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म से 1,50,000 डॉलर का ऑफर मिला था। वहीं, वरुण को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से पीएचडी का ऑफर और एक अंतरराष्ट्रीय एचएफटी कंपनी से 525,000 डॉलर (करीब 5 करोड़ रुपये) की नौकरी का प्रस्ताव मिला था। लेकिन, उन्होंने इन सभी शानदार मौकों को छोड़ दिया। वरुण ने एक लिंक्डइन पोस्ट में बताया, हमने मशीन लर्निंग में चुनौतीपूर्ण समस्याओं को हल करने के अपने जुनून को पूरा करने के लिए उन सभी अवसरों को छोड़ दिया। यह कोई बहादुरी का काम नहीं था, बल्कि पक्का इरादा था। उन्हें लगा कि कंपनियों को कस्टम एआई की जरूरत है। वे एंटरप्राइज एलएलएम (लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स) को जीपीटी-4 जैसे मौजूदा मॉडल्स से ज्यादा तेज और सस्ता बना सकते हैं।3 गुना तेज हैं। हम 70 प्रतिशतसस्ते हैं और किसी खास काम में जीपीटी-4 से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। इनमें स्वास्थ्य सेवा और बीमा शामिल हैं।

क्या है टारगेट

गीगा का टारगेट बहुत सीधा है- ग्राहक सेवाओं को ऑटोमेट करना। अगर आपने कभी सपोर्ट चैट में एक ही बात बार-बार नए एजेंटों को बताते हुए घंटों बिताए हैं तो आप इस समस्या को समझते हैं। गीगा इस प्रक्रिया को वॉयस और चैट एआई एजेंटों से बदलना या बेहतर बनाना चाहता है। ये एजेंट एक साथ कई बातचीत संभाल सकते हैं, स्वाभाविक और अनुकूल आवाज में बात कर सकते हैं, कंपनी के वर्कफ्लो को समझ सकते हैं, बड़े सिस्टम में इंटीग्रेट हो सकते हैं और कई भाषाओं का समर्थन कर सकते हैं। कंपनी तीन बड़ी इंजीनियरिंग समस्याओं को हल करने की कोशिश कर रही है। इनमें एआई की ओर से गलत जानकारी देने (हैल्यूसिनेशंस) को लगभग शून्य करना, हर दिन करोड़ों कॉल को संभालने की क्षमता विकसित करना और 400 मिलीसेकंड से कम समय में वॉयस रिस्पॉन्स देना शामिल है।

नौकरी ज्वाइन करते ही 15000 रुपये का तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते दिनों केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने एक ऐसी योजना की शुरुआत की थी जिसमें पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को पैसे दिए जाएंगे। इसका नाम-प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) है। करीब 99,446 करोड़ रुपये के खर्च से शुरू की गई इस योजना का लक्ष्य 2 वर्षों की अवधि में देश में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगारों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। योजना का लाभ 1 अगस्त, 2025 से 31 जुलाई, 2027 के बीच सृजित रोजगारों पर लागू है। पीएम-वीबीआरवाई योजना के दो हिस्से हैं जिनमें एक कर्मचारियों के लिए तो दूसरा कंपनियों के लिए है। दरअसल, ईपीएफओ में पहली बार रजिस्टर्ड कर्मचारियों को लक्षित करते हुए एक महीने का ईपीएफ वेतन, अधिकतम 15,000 रुपये दो किश्तों में दिया जाएगा। बता दें कि इसके पात्र 1 लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारी होंगे। पहली किश्त 6 महीने की सेवा के बाद,दूसरी किश्त 12 महीने की सेवा और कर्मचारी द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम पूरा करने के बाद देय होगी। प्रोत्साहन राशि का हिस्सा एक निश्चित अवधि के लिए बचत या जमा खाते में रखा जाएगा और कर्मचारी बाद में इसे निकाल सकेगा। सरकार की इस योजना में नियोक्ताओं या कंपनियों को भी मदद की जाए रही है। योजना के तहत सभी सेक्टरों में अतिरिक्त रोजगार सृजन को कवर करेगा, जिसमें विनिर्माण सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नियोक्ताओं को एक लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ 207 करोड़ रहा

एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही की शानदार आय दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (ईआईएल) (बीएसईः 539533), एक तेजी से बढ़ती कंपनी जो विविध प्रकार के तंबाकू उत्पादों के निर्माण और व्यापार में लगी हुई है, ने 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की है। 30 सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही (कंसोलिडेटेड) के लिए कंपनी का परिचालन राजस्व 2,192 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही) रहा, जो तिमाही-दर-तिमाही 318 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि में कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ 117.19 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही) रहा, जिसमें 62.58 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 30 सितंबर 2025 (समेकित) को समाप्त छमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 3,735 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही) तथा शुद्ध लाभ 207.59 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही) दर्ज किया गया। प्रति शेयर आय 1.30 रुपये रही। कंपनी ने हाल ही में लैंड्समिल एग्रो प्राइवेट लिमिटेड में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी और सनब्रिज एग्रो प्राइवेट लिमिटेड में 51.65 प्रतिशत हिस्सेदारी नकद विचार के आधार पर अधिग्रहित करने की घोषणा की है। इन अधिग्रहणों का मुख्य उद्देश्य कंपनी के एफएमसीजी व्यवसाय खंड को विस्तार और सुदृढ़ करना है, जिसमें एलीटकॉन पहले से ही एग्रो उत्पादों और संबद्ध गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय रूप से कार्यरत है। इन अधिग्रहणों के माध्यम से कंपनी अपने परिचालन दायरे का विस्तार, उत्पाद पोर्टफोलियो की गहराई और राजस्व स्रोतों का विविधीकरण सुनिश्चित करना चाहती है। एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड अगले 12 महीनों के भीतर इन दोनों कंपनियों में 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड तंबाकू उत्पादों जैसे सिगरेट, स्मोकिंग मिक्सचर, शीशा और अन्य संबद्ध वस्तुओं के निर्माण और व्यापार में संलग्न एक तेजी से उभरती कंपनी है। यह कंपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सक्रिय है और वर्तमान में यूएई, सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप के विभिन्न हिस्सों में अपने उत्पादों का निर्यात करती है। कंपनी चबाने योग्य तंबाकू, स्नफ, माचिस, माचिस लाइट और तंबाकू संबंधी अन्य एक्सेसरीज़ जैसे नए उत्पाद क्षेत्रों में विस्तार की संभावनाएं तलाश रही है।

रिलायंस, टीसीएस... टॉप 10 कंपनियों को 88,635 करोड़ का फटका

सरकारी कंपनियों ने मारी बाजी

नई दिल्ली, एजेंसी।
पिछले सप्ताह 5 नवंबर को गुरु नानक जयंती पर शेयर बाजार बंद रहा। सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 722.43 अंक या 0.86 प्रतिशत टूट गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 229.8 अंक या 0.89 प्रतिशत नीचे आया। बीते हफ्ते सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 88,635.28 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रहीं। इस दौरान केवल दो सरकारी कंपनियों एलआईसी और एसबीआई के मार्केट कैप में तेजी आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक,

भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में गिरावट आई। वहीं एसबीआई, बजाज फाइनेंस और एलआईसी की बाजार हैसियत बढ़ गई। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 30,506.26 करोड़ रुपये घटकर 11,41,048.30 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,680.38 करोड़ रुपये टूटकर 10,82,658.42 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 12,253.12 करोड़ रुपये घटकर 5,67,308.81 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 11,164.29 करोड़ रुपये घटकर 20,00,437.77 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,303.93 करोड़ रुपये घटकर 15,11,375.21 करोड़ रुपये पर रहा। इन्फोसिस का मूल्यांकन 2,139.52 करोड़ रुपये घटकर 6,13,750.48 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 1,587.78 करोड़ रुपये घटकर 9,59,540.08 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के उलट एलआईसी का मार्केट कैप 18,469 करोड़ रुपये बढ़कर 5,84,366.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

32 प्रतिशतउछल सकता है अडानी का यह शेयर ब्रोकरेज ने कहा-मुनाफे के लिए खरीद लो

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयर भले ही सुस्त हों लेकिन इसको लेकर ब्रोकरेज नुवामा बुलिश है। ब्रोकरेज ने इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है। इसके साथ ही एक बड़ा टारगेट प्राइस सेट किया है। नुवामा ने अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड पर 'खरीदें' रेटिंग बरकरार रखते हुए इसका टारगेट प्राइस 1900 तय किया है, जो अगले एक साल में करीब 32 प्रतिशतकी संभावित बढ़त का संकेत देता है। बता दें कि अभी कंपनी के शेयर की कीमत 1449 रुपये है। शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई के करीब है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 1,493.85 रुपये है। शेयर का यह भाव जून 2025 में था। शेयर के 52 हफ्ते का लो 993.85 रुपये है। ब्रोकरेज नुवामा की रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी की मजबूत नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) और स्थिर बैलेंस शीट भविष्य में विस्तार, संभावित अधिग्रहणों के लिए पर्याप्त लचीलापन प्रदान करती है। नुवामा के

अनुसार, अडानी पोर्ट्स भारत की बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों से सीधे लाभान्वित होने की स्थिति में है। कंपनी का विविधीकृत पोर्ट नेटवर्क और संतुलित कार्गो मिक्स उसे स्थिरता और विकास, दोनों के लिए मजबूत आधार प्रदान करता है, जिससे आने वाले वर्षों में इसका प्रदर्शन और बेहतर होने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में अडानी पोर्ट्स का नेट प्रॉफिट 29 प्रतिशत बढ़कर 3,120 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में मुनाफा 2,413 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जुलाई-सितंबर, 2025 में उसकी कुल आय बढ़कर 10,004.06 करोड़ रुपये हो गई।

श्रीश्री विश्वविद्यालय ने नवाचार व शोध को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता

भुवनेश्वर , एजेंसी।
देश के प्रमुख बी-स्कूल्स में से एक, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) सम्बलपुर ने श्रीश्री विश्वविद्यालय (एसएसयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य नवाचार, शोध और समग्र शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों संस्थान दीर्घकालिक शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग स्थापित करेंगे, जिसके तहत कार्यशालाएं, शोध परियोजनाएं, प्रकाशन और छात्र विनिमय कार्यक्रम जैसे कई संयुक्त उपक्रम संचालित किए जाएंगे।

हस्ताक्षर समारोह में श्रीश्री विश्वविद्यालय के संस्थापक पूज्य गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी की दिव्य उपस्थिति रही। इस अवसर पर आईआईएम सम्बलपुर के निदेशक प्रो. महादेव प्रसाद जायसवाल, श्रीश्री विश्वविद्यालय की अध्यक्ष प्रो. (श्रीमती) रजिता कुलकर्णी, तथा दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी और संकाय सदस्य उपस्थित थे। इस समझौते के

तहत, दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से विभिन्न शैक्षणिक कार्यशालाएं, सेमिनार, वेबिनार और लघु अवधि के पाठ्यक्रम आयोजित करेंगे, जो डेटा साइंस और उससे जुड़े उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे। साझेदारी के अंतर्गत एक सक्रिय छात्र एवं संकाय विनिमय कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा, जिसके माध्यम से दोनों संस्थानों के विशेषज्ञ स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर व्याख्यान देंगे और अनुभव साझा करेंगे।

छात्र भी संयुक्त शैक्षणिक मॉड्यूल्स और अनुभवात्मक शिक्षण परियोजनाओं में भाग लेंगे, जिनके लिए आवास और अन्य आवश्यक सुविधाएं आपसी सहयोग से प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, दोनों संस्थान संयुक्त रूप से शोध और प्रकाशन गतिविधियों में भाग लेंगे, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से अनुदान के लिए आवेदन करेंगे तथा प्रतिष्ठित समीक्षित जर्नलों में संयुक्त शोध पत्र प्रकाशित करेंगे। आईआईएम सम्बलपुर के निदेशक प्रो. महादेव प्रसाद जायसवाल ने कहा, हम श्रीश्री विश्वविद्यालय के साथ नवाचार और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करके अत्यंत प्रसन्न हैं। यह साझेदारी आधुनिक प्रबंधन शिक्षा को मानवीय मूल्यों और सामाजिक प्रभाव के साथ एकीकृत करने की हमारी साझा दृष्टि को सशक्त बनाती है। यह सहयोग डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रबंधन, स्ट्रेस मैनेजमेंट और अध्यात्म जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होगा। हम मिलकर ऐसे भविष्य के नेताओं को तैयार करना चाहते हैं, जो न केवल दक्ष और नवाचारी हों बल्कि नैतिकता और करुणा में भी रचे-बसे हों।

फिजिक्सवाला, टेनेको, एमवी... अगले हफ्ते खुल रहे 10,000 करोड़ रूपये के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगले हफ्ते शेयर बाजार में आईपीओ की धूम मची हुई है। 11 नवंबर से 14 नवंबर के बीच कुल पांच नए आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहे हैं। इनमें से तीन बड़े आईपीओ मेनबोर्ड पर आ रहे हैं, जबकि दो स्म्ॉल सेगमेंट में लिस्ट होंगे। इन सभी आईपीओ के जरिए कंपनियां 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाने की उम्मीद कर रही हैं। ये कंपनियां एजुकेशन, क्लीन एनर्जी, ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी और फार्मा (दवा) जैसे अलग-अलग सेक्टर से जुड़ी हैं। इनमें मेनबोर्ड में फिजिक्सवाला, टेनेको क्लीन एयर इंडिया और एम्मवी फोटोवोल्टिक पावर शामिल हैं।

फिजिक्सवाला

एजुटेक की जानी-मानी कंपनी फिजिक्सवाला का आईपीओ 11 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। यह आईपीओ 3,480 करोड़ रुपये का है। इसके लिए प्राइस बैंड 103 से 109 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह सब्सक्रिप्शन 13 नवंबर तक खुला रहेगा। इस आईपीओ के शेयर बीएसइ और एनएसइदोनों पर लिस्ट होंगे। यह आईपीओ हाल के सालों में सबसे बड़े एडुटेक लिस्टिंग में से एक है। इस पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने टेक्नोलॉजी

प्लेटफॉर्म को मजबूत करने, लर्निंग सेंटर का विस्तार करने और जरूरी अधिग्रहण के लिए करेगी।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया

अगले हफ्ते एक और बड़ा आईपीओ टेनेको क्लीन एयर इंडिया का है। यह कंपनी ग्लोबल ऑटोमोटिव सिस्टम लीडर टेन्नेको की सहायक कंपनी है। यह 3,600 करोड़ रुपये का आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है। यह आईपीओ 12 नवंबर को खुलेगा और 14 नवंबर को बंद होगा। शेयर की कीमत 378 से 397 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। जेएम फाइनेंशियल इस आईपीओ के लीड मैनेजर हैं और यह बीएसइ और एनएसइ पर लिस्ट होगा। इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 97 रुपये यानी करीब 22 प्रतिशत है। रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की कंपनी एम्मवी फोटोवोल्टिक पावर एम्मवी फोटोवोल्टिक पावर का 2,900 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 नवंबर को खुल रहा है। इसकी कीमत 206 से 217 रुपये प्रति शेयर के बीच रखी गई है।

तेरे इश्क में समेत इन फिल्मों के इवेंट हुए कैंसिल

मुंबई। धर्मेंद्र की सेहत और दिल्ली धमाकों को देखते हुए आनंद एल राय की आगामी फिल्म 'तेरे इश्क में' से जुड़े एक इवेंट को कैंसिल कर दिया गया है। यह इवेंट राजधानी दिल्ली में होना था। इसके अलावा कुछ और फिल्मी इवेंट भी कैंसिल हुए हैं। 'तेरे इश्क में'28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में धनुष ने शंकर और कृति सेनन ने मुक्ति का किरदार निभाया है। इसके अलावा वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम 3' की स्क्रीनिंग को भी कैंसिल कर दिया गया है। दिल्ली क्राइम-3, 13 नवंबर से स्ट्रीम होने वाला है। हमें उम्मीद है कि आप इसे देखेंगे और अपना प्यार देंगे।'

लाइफ Style

नोरा

संगीत को समझना है तो श्रेया को सुनें

एजेंसी ⏭ मुंबई

नोरा फतेही अपने बेहतरीन डांस और एक्टिंग के साथ अपनी गायकी के लिए जानी जाती हैं। एक अमेरिकी पोडकास्ट में नोरा फतेही से पूछा गया कि वह बॉलीवुड की सबसे अच्छी सिंगर के तौर पर किसका नाम लेना चाहेंगी, इस पर उन्होंने श्रेया घोषाल का नाम लिया।

नोरा फतेही ने श्रेया के साथ एक गाना भी गाया है। हाल ही में नोरा फतेही ने सिएरा के पोडकास्ट में अपने सिंगिंग, एक्टिंग और डांसिंग कॅरियर के बारे में खुलकर बात की। बातचीत के दौरान जब सिएरा ने नोरा से पूछा कि वह बॉलीवुड की सबसे अच्छी सिंगर के तौर पर किसका नाम लेना चाहेंगी। इस पर नोरा फतेही ने सिंगर श्रेया घोषाल का नाम लिया। नोरा फतेही ने कहा 'अगर आपने बॉलीवुड के गाने नहीं सुने हैं और आप उसके बारे में जानना चाहते हैं, तो मैं कहूंगी कि आप श्रेया घोषाल के गाने सुनें। वह एक आइकन हैं। मैंने उनके साथ (ओह मामा! तेतेमा) गाना गाया है। इस गाने में उन्होंने हिंदी वाला हिस्सा गाया है। उनकी आवाज अब तक कि सबसे अच्छी आवाजों में से एक है, जो मैंने सुनी है। उन्होंने बॉलीवुड की कई बेहतरीन फिल्मों के बेहतरीन गाने गए हैं। इसके अलावा उन्होंने कई गाने गए हैं। वह जिस तरह गाती हैं, वह शानदार है। कोई भी बॉलीवुड के संगीत, संस्कृति और इसकी भावना को समझना चाहता है, उसे श्रेया को सुनना चाहिए।' श्रेया घोषाल को भारत की सबसे अच्छी गायिकाओं में से एक माना जाता है। वह सबसे ज्यादा पुरस्कार पाने वाली गायकों में शामिल हैं।

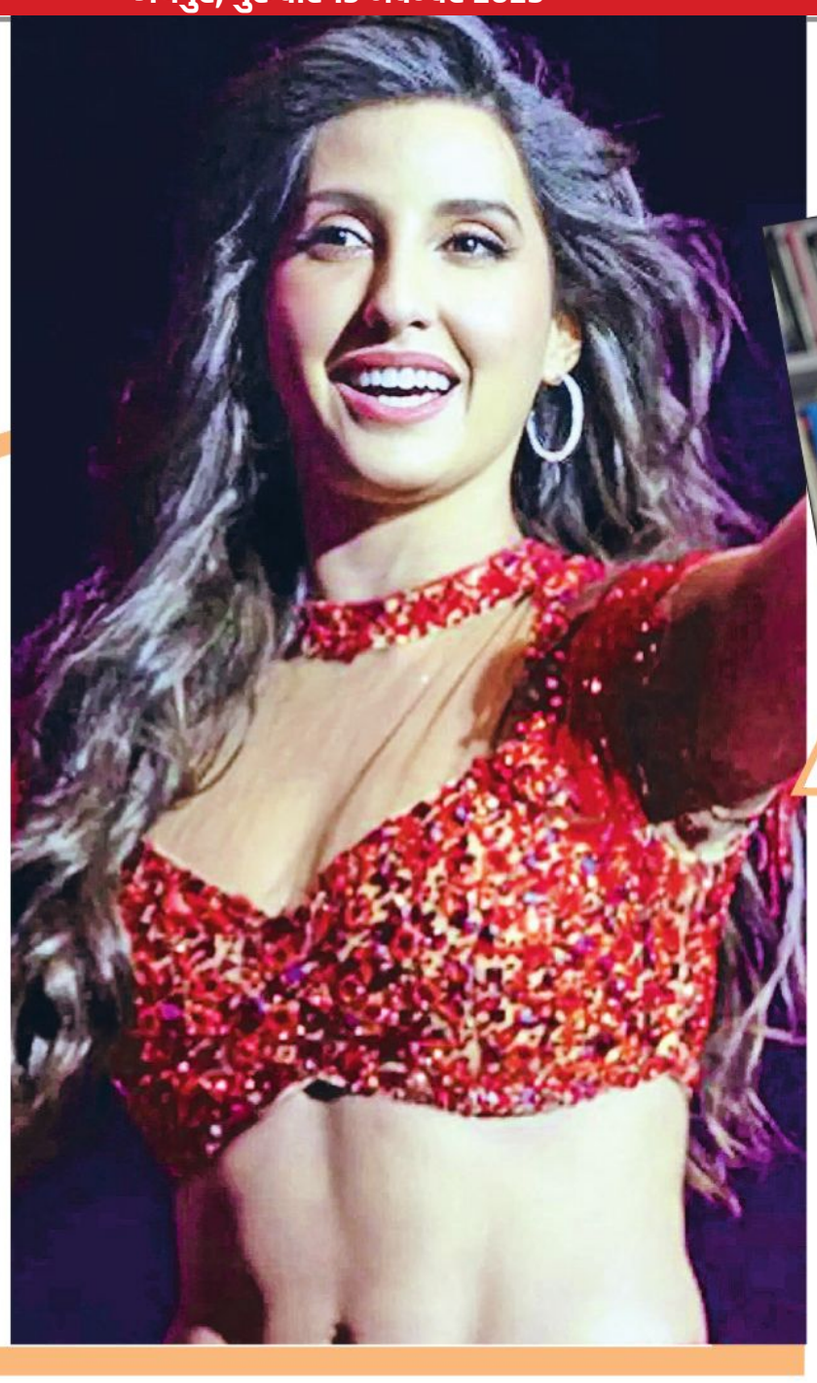

हॉलीवुड मसाला

कोबायाशी के साथ दीं यादगार फिल्में

लॉस एंजिल्स। जापान के मशहूर अभिनेता तात्सुया नाकादाई का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। तात्सुया को 'रण', 'हाराकिरी' और 'द ह्यूमन कंडीशन' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए जाना जाता है। अकीरा कुरोसावा की 1985 में आई फिल्म 'रण' में नाकादाई द्वारा निभाया गया लॉर्ड हिदेतोरा इचिमोनजी का किरदार उनके सबसे प्रतिष्ठित किरदारों में से एक है। तात्सुया नाकादाई ने मसाकी कोबायाशी की द ह्यूमन कंडीशन ट्रियोलॉजी- नो ग्रेटर लव (1959), रोड टू एटरनिटी (1959), और ए सोल्जर्स प्रेयर (1961) में शानदार अभिनय किया।

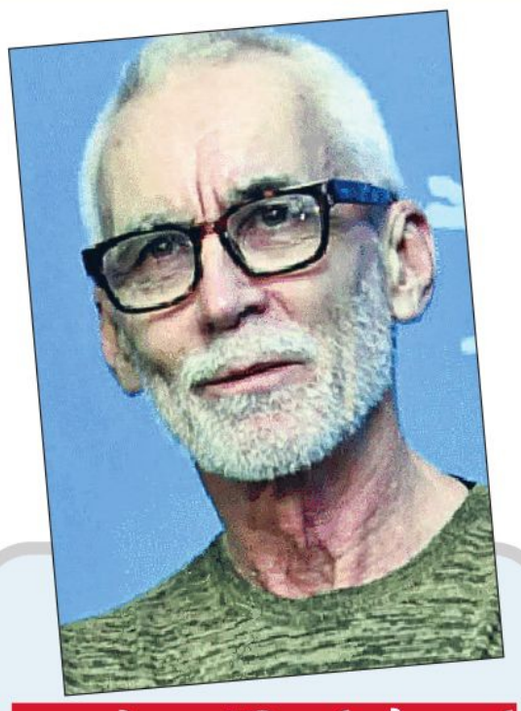

वन्स वेयर वॉरियर्स और डाई अनदर डे से हुए मशहूर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्मों के मशहूर निर्देशक ली तामाहोरी का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उन्हें 'वन्स वेयर वॉरियर्स' और 'डाई अनदर डे' जैसी जबरदस्त फिल्मों के निर्माण के लिए पहचाना जाता था। निर्देशक ली तामाहोरी ने कई जबरदस्त फिल्मों का निर्देशन किया था। उन्होंने मुलहोलैंड फॉल्स, एंथनी हॉपकिंस और एलेक बाल्डविन अभिनीत सर्वाइवल थ्रिलर द एज और क्राइम फिल्म अलोंग केम अ स्पाइडर शामिल हैं। उन्होंने जेम्स बॉन्ड अभिनीत फिल्म 'डाई अनदर डे' और एक्शन सीक्वल 'एक्सएक्सएक्स: स्टेट ऑफ द यूनियन' का भी निर्देशन किया था। ली तामाहोरी के परिवार में उनकी पत्नी जस्टिन और बच्चे सैम, मैक्स, मेका और ताने हैं। ली तमाहोरी का जन्म 1950 में वेलिंगटन में हुआ था। उन्होंने अपने सिनेमाई कॅरियर की शुरुआत सहायक निर्देशक के रूप में की थी।

एसएसएमबी-29 का पहना गाना रिलीज

मुंबई। एसएस राजामौली और महेश बाबू की बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' से अपडेट अब लगातार सामने आ रहे हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन का फर्स्ट लुक और महेश बाबू व प्रियंका चोपड़ा के वीडियो संदेश सामने आने के बाद, अब सोमवार को फिल्म का पहला सिंगल गाना रिलीज किया गया है। सबसे खास बात कि एमएम कीरवानी द्वारा कंपोज किए गए इस गाने में श्रुति हासन ने अपनी आवाज दी है। ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरवानी द्वारा कंपोज किए गए इस गाने को 'ग्लोबट्रॉटर' टाइटल के साथ रिलीज किया गया है। गाने को यूट्यूब पर रिलीज किया गया है। हालांकि, अभी इस गाने का वीडियो सामने नहीं आया है। यानी गाने को सिर्फ एक ऑडियो के तौर पर जारी किया गया है। अभी इस गाने को सिर्फ तेलुगु भाषा में रिलीज किया गया है।

प्रियदर्शन के साथ शेयर की अनदेखी तस्वीर

मुंबई। निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी हॉरर फिल्म 'हैवान' को लेकर श्रिया पिलगांवकर ने सोशल मीडिया पर अहम जानकारी शेयर की है। इस जानकारी के साथ श्रिया ने प्रियदर्शन के साथ खास तस्वीर भी शेयर की है। जिसके साथ श्रिया ने जानकारी दी है कि उन्होंने फिल्म 'हैवान' में अपने हिस्से की शूटिंग खत्म कर ली है। यह तस्वीर फिल्म 'हैवान' के सेट की है। इस तस्वीर में श्रिया और प्रियदर्शन मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में श्रिया हाथ में एक क्लैप बोर्ड पकड़े हुए हैं। जिसपर लिखा है 'हैवान'। श्रिया ने अपनी और प्रियदर्शन की इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक परम सौभाग्य की बात है, जिसका नेतृत्व किया निर्देशक प्रियदर्शन ने।'

टीवी मसाला

आधी रात बिग बॉस 19 से बाहर हुआ मृदुल

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 19' के घर से अब एक और सदस्य का सफर खत्म हो गया है। जैसे-जैसे शो का फिनाले करीब आ रहा है, वैसे-वैसे प्रतियोगियों के बीच टेंशन बढ़ती जा रही है। चार हफ्ते बाद जब इस सीजन के विजेता की घोषणा होगी, उससे पहले दर्शकों को देखने को मिला है एक बड़ा ट्विस्ट- लाइव ऑडियंस द्वारा किया गया मिड-वीक एविक्शन। और इस बार शो से बाहर हुए हैं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मृदुल तिवारी। पिछले वीकेंड में जहां डबल एविक्शन ने घरवालों को हिला दिया था, वहीं अब बिग बॉस ने अचानक मिड वीक एविक्शन का ऐलान कर दिया। बिग बॉस के अपडेट्स देने वाले पेज 'बिग बॉस तक' ने बताया है कि मृदुल घर से आउट हो गए हैं। इस बार फैसला घर के अंदर गई लाइव ऑडियंस ने किया, जिसने हर कंटेस्टेंट की परफॉर्मेंस देखकर वोटिंग की। वोटिंग के नतीजे चौंकाने वाले रहे- सबसे कम वोट मृदुल तिवारी को मिले और उन्हें फिनाले से ठीक चार हफ्ते पहले घर से बाहर जाना पड़ा। दरअसल, इस हफ्ते बिग बॉस ने एक खास कैप्टेंसी टास्क रखा था जिसमें तीन टीम बनाई गईं- टीम गौरव, टीम कुनिका और टीम शहबाज। इस टास्क के संचालक थे अमाल मलिक। शुरुआती दो राउंड में कुनिका और गौरव की टीम ने बाजी मारी, लेकिन तीसरे राउंड में बिग बॉस ने गेम में ट्विस्ट डालते हुए बताया कि अब फैसला ऑडियंस के हाथ में होगा। लाइव दर्शक घर के अंदर आए और उन्होंने प्रत्येक सदस्य की एक्टिविटी के आधार पर वोट दिए। जैसा कि हमेशा बिग बॉस के खेल में होता आया है, यहां भी नतीजा अप्रत्याशित रहा।

इंडियन आइडल 16 में पहुंचीं उर्मिला

नई दिल्ली। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर हमेशा से अपने समय की सबसे पसंदीदा एक्ट्रेस में से एक रही हैं। 90 के दशक में उनके गाने और फिल्मी डांस ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई। उनकी फिल्में और गाने आज भी लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला देते हैं। जब वह 'इंडियन आइडल 16' के वीकेंड प्रीमियर में गेस्ट के रूप में पहुंचीं, तो 90 के दशक की यादें ताजा हो गईं। शो में कंटेस्टेंट अंशिका चोंकर ने 1995 में रिलीज हुई फिल्म रंगीला का टाइटल ट्रैक 'रंगीला रे' गाया, तो उर्मिला पुरानी यादों में खो गईं और इमोशनल हो गईं। उन्होंने स्टेज पर इस गाने पर डांस भी किया। अंशिका की परफॉर्मेंस से खुश होकर उर्मिला ने उन्हें तोहफे के तौर पर एक सिक्का दिया। इस सिक्के को अपनी जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि यह वही सिक्का है जो उन्हें इस फिल्म की रिलीज के वक्त मिला था। उन्होंने कहा, मैं अपनी पहली फिल्म देखने के लिए थिएटर में गई थी, जब मेरा गाना स्क्रीन पर आया, तो लोगों ने खुशी में पैसे फेंकने शुरू कर दिए।

इंसानियत की मिसाल, 3800 बच्चों को जीवनदान

सिंगर पलक का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम...

नई दिल्ली। *बॉलीवुड की फेमस सिंगर पलक मुच्छल चर्चा में हैं। अपने गानों के कारण नहीं, बल्कि इंसानियत की मिसाल कायम करने की वजह से। वो अपनी कमाई की ज्यादातर हिस्सा हार्ट सर्जरी के लिए दान करती हैं। अब उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। उन्होंने अब तक 3800 बच्चों की हार्ट सर्जरी करवाई है। अपनी दिलकश आवाज और सोलफुल म्यूजिक के लिए फेमस बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छल ने अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बना ली है। वो भी अपने संगीत के लिए नहीं, बल्कि मानवता की मिसाल कायम करने के लिए। इंदौर में जन्मीं पलक मुच्छल ने 'पलक पलाश चैरिटेबल फाउंडेशन' के जरिए भारत और उसके बाहर वंचित बच्चों की मदद की है। करीब 3800 हार्ट सर्जरी के लिए पैसे जुटाए हैं।*

कारगिल शहीदों के परिवारों की भी मदद

आप शायद ही जानते होंगे कि पलक कई साल से कारगिल शहीदों के परिवारों की भी कर रही हैं। उन्होंने गुजरात भूकंप पीड़ितों की राहत के लिए 10 लाख रुपये दान किए थे।

कभी नहीं रुकेगी मदद

पलक ने मेरी आशिकी, कौन तुझे, सनम तेरी कसम, इक मुलाकात, देखा हजारो दफा और प्रेम रतन धन पायो जैसे सुपरहिट गाने गाए हैं। उनके पति मिथुन शर्मा भी कंपोजर हैं। वो इस जर्नी में पलक के साथ खड़े रहते है। उन्होंने कहा कि भले ही शो ना हो, कमाई ना हो, बच्चों की सर्जरी कभी नहीं रुकेगी।

वो पल, जब पलक ने मदद करने का खुद से किया वादा

पलक बहुत कम उम्र से ही जरूरतमंदों की मदद करती आई हैं। बचपन में ट्रेन से सफर के दौरान उनकी मुलाकात वंचित बच्चों से हुई। ये वो पल था, जब उनकी जिंदगी बदल गई। उसी दिन उन्होंने खुद से वादा किया कि वो एक दिन उनकी मदद जरूर करेंगी। अब वो अपनी कमाई का काफी हिस्सा जिंदगी को बचाने में लगाती हैं।

ग्रैमी अवॉर्ड में एल्बम 'साउंड्स ऑफ कुंभ' को मिला नामांकन

नई दिल्ली। एल्बम 'साउंड्स ऑफ कुंभ' को बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम कटेगरी में 68वें ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकन मिला है। यह एल्बम महाकुंभ उत्सव से प्रेरित है। एल्बम को गायक-कंपोजर सिद्धांत भाटिया की तरफ से प्रस्तुत किया गया है। यह भारतीय संगीत के लिए एक बड़ी कामयाबी है। इस एल्बम में 12 गीत हैं। इसमें भारत और विदेशों के लगभग 50 कलाकारों ने काम किया है। एल्बम में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए महाकुंभ की भावना को दर्शाया गया है। महाकुंभ इस साल जनवरी और फरवरी में 45 दिनों तक हुआ था। इसमें बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों ने हिस्सा लिया था। 'साउंड्स ऑफ कुंभ' एल्बम में प्रयागराज से लाइव फील्ड रिकॉर्डिंग की गई। इसमें प्राचीन मंत्र शामिल किए गए। इसमें बाइनॉरल बीट्स को भी शामिल किया गया है। इस एल्बम को बनाने में सिद्धांत भाटिया के अलावा जिम किमो वेस्ट, राघव मेहता, मैडी दास, रॉन कोरब, चारू सूरी और देवराज सान्याल ने सहयोग किया है। एल्बम में वी सेल्वगनेश, राजा कुमारी, आदित्य गढ़वी, कनिका कपूर, कला रामनाथ, भानुमती नरसिम्हन, प्रवीण गोडखिंडी, अजय प्रसन्ना और कल्याणी नायर जैसे लोगों का योगदान है।

हिंदी सिनेमा के 'राजा-रानी', पहली मूवी में कर बैठे प्यार

31 फिल्मों में किया रोमांस! 10 साल बाद बनी रियल जोड़ी

नई दिल्ली। *अगर आपने हिंदी फिल्में देखी है, तो आपकी कोई फेवरेट जोड़ी जरूर होगी, जिसकी फिल्में आप बार-बार देखना पसंद करते हैं। अगर बॉलीवुड की ऑल-टाइम हिट जोड़ी की बात करें, तो एक जोड़ी सब पर भारी है। वे हिंदी सिनेमा के असली 'राजा-रानी' हैं, जिन्होंने लगभग 31 फिल्में साथ में की और सेट पर पहली मुलाकात के 10 साल बाद धर्म बदल कर शादी कर ली। हम बॉलीवुड की जिस सुपरहिट जोड़ी की बात कर रहे हैं, उन्हें अभिनय में लाने का श्रेय कहीं-न-कहीं उनकी मांओं को जाता है। होरी की मां उनकी सबसे बड़ी सपोर्टर थीं, तो हीरोइन की मां ताउम उनकी मैनेजर रहीं। जब दोनों सितारे पहली बार 1970 में मूवी सेट पर मिले, तो सिर्फ पर्दे पर नहीं, उनकी जिंदगी में भी मैजिक हो गया।*

'तुम हसीन मैं जवान' के सेट पर मिले

दोनों सितारे मेकर्स के पसंदीदा ऑनस्क्रीन कपल बन गए। उन्होंने साथ में करीब 31 फिल्में कीं, जो अपने-आप में एक रिकॉर्ड है। वे पहली बार 1970 की मूवी 'तुम हसीन मैं जवान' के सेट पर मिले और देखते ही देखते एक-दूसरे पर फिदा हो गए। हम धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बात कर रहे हैं, जिन्होंने सीता और गीता, राजा रानी, आस पास, पत्थर और पायल, ड्रीम गर्ल और शोले सहित लगभग 31 फिल्मों में काम किया था।

शोले की शूटिंग का यह मशहूर किस्सा

धर्मेंद्र-हेमा मालिनी का एक-दूसरे के लिए दिल धड़कने लगा। शादीशुदा होने के बाद बावजूद धर्मेंद्र, हेमा मालिनी के इश्क में गिरफ्तार हो गए। शोले की शूटिंग का एक किस्सा काफी मशहूर है, जिसमें वीरू (धर्मेंद्र), बसंती (हेमा मालिनी) को रिवॉल्वर इस्तेमाल करना सिखाते दिखाते हैं। कहते हैं कि उसी सीन की शूटिंग के समय धर्मेंद्र लाइट ब्वॉयज को उन्हें डिस्टर्ब करने के 20 रुपए देते थे, ताकि उन्हें हेमा मालिनी के करीब रहने का ज्यादा वक्त मिल सके। इस तरह धर्मेंद्र को हेमा मालिनी को बार-बार गले लगाने का मौका मिल रहा था।

चुपचाप धर्म बदल कर शादी कर ली

चूंकि धर्मेंद्र की प्रकाश कौर से पहले ही शादी हो चुकी थी और उनसे उनके चार बच्चे भी थे, इसलिए हेमा मालिनी ने शुरू में उनके शादी के प्रस्ताव को नकार दिया। हालांकि, वे बाद में प्यार में इतना मजबूर हुए कि चुपचाप धर्म बदल कर शादी कर ली। धर्मेंद्र ने मुस्लिम रीति-रिवाजों से हेमा मालिनी से दूसरी शादी की। हेमा मालिनी के प्यार में पड़ने से पहले धर्मेंद्र का नाम टॉप हीरोइनों मीना कुमारी और सायरा बानो के साथ जुड़ा। कहते हैं कि 60 के दशक में धर्मेंद्र के कॅरियर को आकार देने में मीना कुमारी का बड़ा रोल था।

1987 में लगातार सात हिट फिल्में दी थीं

धर्मेंद्र ने 2011 में एक इंटरव्यू में पत्नी हेमा मालिनी के बारे में कहा था, 'हमारा साथ बहुत ही खूबसूरत रहा है। हमने साथ में कई फिल्में की हैं और कई हिट्स दी हैं। हमें सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ी में से एक माना जाता है। हमारी केमिस्ट्री कमाल है और हम एक-दूसरे को बहुत अच्छे से कंप्लीट करते हैं। मुझे हमेशा उनके साथ काम करने में आनंद आया। वह सबसे खूबसूरत महिला हैं, जिन्हें मैं जानता हूं। वह बहुत ही केयरिंग हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं।' धर्मेंद्र एकमात्र एक्टर हैं, जिन्होंने 1987 में लगातार 7 हिट फिल्में दी थीं। उन्हें साल 2012 में पद्म भूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। 1997 मे उन्हें फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

रणजी ट्रॉफी : 65 साल में पहली बार जम्मू-कश्मीर ने दिल्ली को हराया, इकबाल और पारस ने जड़े शतक

जम्मू-कश्मीर ने दिल्ली को 7 विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली क्रिकेट को नई शर्मिंदगी से दोचार होना पड़ा जब सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल के शानदार शतक की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने मंगलवार को उसे सात विकेट से शिकस्त देकर उसके खिलाफ रणजी ट्रॉफी में 65 साल में पहली जीत दर्ज की।

दिल्ली क्रिकेट की गिरती साख का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टीम तीन घरेलू मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल कर सकी। टीम कुल सात अंकों के साथ ग्रुप डी में आठ टीमों के बीच छठे स्थान पर है और उसे नॉकआउट के लिए क्वालीफाई के लिए चमत्कार की जरूरत होगी। सात बार की रणजी चैंपियन दिल्ली की टीम के इस तरह के पतन के कई कारण है, जिसमें संदिग्ध चयन, खराब रणनीतियां, चतुर कप्तानी के अभाव के अलावा दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में गुटबाजी और अंदरूनी कलह प्रमुख है। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर की टीमों ने 1960 से अब तक 43 बार एक दूसरे का आमना सामना किया है और इनमें से 37 मैचों में दिल्ली ने जीत दर्ज की है जबकि जम्मू कश्मीर की यह पहली जीत है। जीत के लिए 179 रन का पीछा कर रही जम्मू कश्मीर को मैच के आखिरी दिन 124 रन की जरूरत थी। सलामी बल्लेबाज इकबाल ने 147 गेंद में नाबाद 133 रन बनाकर जम्मू कश्मीर को आसान जीत दिला दी।

40 साल के पारस डोगरा ने पहली पारी में लगाया था शतक

जम्मू कश्मीर के कप्तान 40 साल के दिग्गज पारस डोगरा ने भी इस मैच की पहली पारी में शतक लगाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। अपने 22वें प्रथम श्रेणी सत्र में वह रणजी ट्रॉफी में रनों के मामले में मुंबई के दिग्गज वसीम जाफर के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गए। डोगरा ने इस सत्र में मुंबई और दिल्ली दोनों के खिलाफ शतक बनाए। दिल्ली के पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के बावजूद एक गुट के दबाव में शरणदीप को मुख्य कोच बनाए रखा गया। कप्तान आयुष बदोनी ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया लेकिन डीपीएल में शीर्ष स्कोरर अर्पित राणा अच्छी तेज गेंदबाजी का डटकर सामना नहीं कर पाए। प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाज को पहले दो मैचों में बेंच पर बैठाया गया और फिर चौथे नंबर पर खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस हार के बाद डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली के सख्त रुख अपनाने की उम्मीद है।

हैदराबाद ने राजस्थान के खिलाफ हासिल किए 3 अंक

वहीं एक अन्य ग्रुप मैच में हैदराबाद ने राजस्थान के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच में पहली पारी की बढत के आधार पर तीन अंक हासिल कर लिये । हैदराबाद के पहली पारी के 364 रन के जवाब में राजस्थान ने 269 रन बनाए थे। हैदराबाद ने दूसरी पारी नौ विकेट पर 244 रन पर घोषित करके राजस्थान को 340 रन का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में उसने तीन विकेट पर 207 रन बना लिए थे। राजस्थान को मैच से एक ही अंक मिला। हिमाचल प्रदेश को एक पारी और 120 रन से हराकर मुंबई 17 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया। जम्मू कश्मीर 14 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। पुडुच्चेरी को दस विकेट से हराकर छत्तीसगढ़ चौथे स्थान पर है।

खबर संक्षेप

नैशा कुमामोतो मास्टर्स क्वालीफायर में हारी

कुमामोतो। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी नैशा कौर भटोये क्वालीफायर में न्यूजीलैंड की शाउना ली से सीधे गेम में हारकर कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहीं। यह 17 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी इस सुपर 500 टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वालीफिकेशन राउंड में 32 मिनट में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी से 17-21, 18-21 से हार गई। इस प्रकार प्रतियोगिता के महिला एकल स्पर्धा में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय बुधवार को इस प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

खिलाड़ियों ने आईएसएल शुरू करने की अपील की

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों ने प्रशासकों से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का नया सत्र जल्दी से जल्दी शुरू करने की अपील करते हुए कहा कि उनका गुस्सा और हताशा अब व्याकुलता में बदल गई है। यह अपील ऐसे समय में की गई है जब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि 16 अक्टूबर को आईएसएल के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए अनुरोध (आरएफपी) के बाद उसे कोई बोली नहीं मिली है। इस आरएफपी में लीग के वाणिज्यिक और मीडिया अधिकारों के लिए 15 साल के अनुबंध के लिए बोलियां आमंत्रित की गई थीं। स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ने कहा, 'अभी हम जहां हैं, वहां से देरी करना अच्छा नहीं होगा। कोच, प्रशंसक, स्टाफ के सदस्य और खिलाड़ियों के लिए सब कुछ ठहर गया है। हमने बहुत मेहनत की है। हमने बहुत त्याग किया है और हम अपने सत्र को यूं ही खत्म नहीं होना देना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'पूरा भारतीय फुटबॉल तंत्र अनिश्चितता में डूबा हुआ है। सपने थम गए हैं। भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। हर दिन हम इंतजार करते हैं। हम व्याकुल हैं। हमें तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है।'

नागल का वीजा हुआ रिजेक्ट चीनी दूतावास से मांगी मदद (नई दिल्ली)

। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के दूतावास से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन प्लेऑफ के लिए चीन जाने के उनके वीजा आवेदन को बिना किसी कारण के अस्वीकार कर दिया गया था। नागल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपील की, जिसमें उन्होंने भारत में चीनी राजदूत और चीनी दूतावास के प्रवक्ता को टैग किया। नागल ने लिखा, 'भारत में चीन के दूतावास और भारत में चीन के प्रवक्ता। मैं सुमित नागल हूं, भारत का नंबर एक टेनिस खिलाड़ी। मुझे ऑस्ट्रेलियाई ओपन प्लेऑफ में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए जल्द ही चीन जाना है लेकिन मेरा वीजा बिना किसी कारण के अस्वीकार कर दिया गया।

भारत - दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 से कोलकाता में पहला टेस्ट

गिल ने लंबे समय तक की नेट प्रैक्टिस जायसवाल और सुदर्शन ने बहाया पसीना

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि सीमित ओवरों के प्रारुपों से लाल गेंद वाले क्रिकेट में बदलाव में समय लगता है और इसलिए उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अपनी तकनीक को दुरुस्त करने के लिए मंगलवार को नेट्स पर करीब डेढ़ घंटा बिताया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है क्योंकि पिछले महीने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ कराई थी। गिल ने पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अर्धशतक और नाबाद शतक लगाया था, लेकिन इसके बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह रन बनाने के लिए जूझते रहे। टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद वह प्रतिबद्ध दिखे और उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत की।

जायसवाल ने विकेट पर थ्रोडाउन का किया सामना

रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के लिए 67 और 156 रन की पारी खेलने वाले जायसवाल ने भी लंबे समय तक विकेट पर मोर्केल और थ्रोडाउन का सामना किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज सहज लय में दिख रहा था तथा आत्मविश्वास के साथ ड्राइव और पुल कर रहा था। नेट पर महत्वपूर्ण समय बिताने वाले एक अन्य बल्लेबाज तमिलनाडु के युवा साईं सुदर्शन थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दो अनधिकृत टेस्ट मैचों में केवल 84 रन बनाए थे। टीम प्रबंधन उन्हें तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में तैयार कर रहा है लेकिन वह अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं।

पिच से स्पिनरों को मदद मिलने के आसार

कोलकाता के ईडन गार्डेन्स मैदान में पिछला टेस्ट मुकाबला पिंक बॉल से बांग्लादेश के खिलाफ साल 2019 में खेला गया था। इसके छह साल बाद अब कोलकाता में कोई टेस्ट मैच होने जा रहा है। पिच को लेकर क्यूरेटर सूजान मुखर्जी ने मीडिया से बातचीत में कहा, हम सभी को रैंक टर्नर जैसी पिच बनाने को किसी ने नहीं कहा है। हमने एक स्पोर्टिंग विकेट तैयार किया है। हेड कोच गौतम गंभीर ने जब विकेट देखा तो वह काफी खुश नजर आए थे। इस विकेट पर तीसरे दिन से स्पिनरों को अधिक मदद मिलने के आसार हैं। ईडन कभी भी रैंक टर्नर नहीं रहा है और बैटिंग फ्रेंडली होने के साथ-साथ इस मैदान में गेंदबाजों को भी काफी मदद मिलती है।

टॉस के सिक्के पर होंगे गांधी और मंडेला के चेहरे

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट मैच की सीरीज का नाम फ्रीडम ट्रॉफी रखा गया है। ये नाम दोनों देशों के महान नेता महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला के नाम पर रखा गया। अब अहिंसा के पुजारी दोनों नेताओं के चेहरे का चित्र कोलकाता टेस्ट मैच के टॉस के सिक्के पर भी होगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने टॉस के सिक्के पर जानकारी देते हुए कहा, हमने टॉस के लिए एक स्पेशल सिक्का तैयार क्या है, जिसमें एक तरफ महात्मा गांधी का चेहरा तो दूसरी तरफ नेल्सन मंडेला का चेहरा अंकित किया है। ये इन दोनों महान नेताओं को श्रद्धांजलि देने का एक अनूठा तरीका है।

टेनिस

एटीपी फाइनल्स में सिनर की शानदार शुरुआत

एजेंसी ▶▶| तूरिन

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 7-5, 6-1 से हराकर खिताब बचाने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

सिनर को साल के आखिर तक अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखने के लिए दुनिया के चोटी के आठ खिलाड़ियों के बीच चल रहे सत्र के इस अंतिम टूर्नामेंट में जीत दर्ज करनी होगी और इसके साथ ही उम्मीद करनी होगी कि कार्लोस अल्काराज फाइनल में न पहुंचें। सिनर ने पिछले साल तूरिन में एक भी सेट गंवाए बिना खिताब जीता था और 2023 के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद से वह इस प्रतियोगिता में नहीं हारे हैं। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए एक विशेष टूर्नामेंट और स्थान है।' सिनर और अलेक्जेंडर ज्वेरेव एक-एक जीत के साथ ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में शीर्ष पर हैं। ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को हराया था। प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाले दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाएंगे। इससे पहले टेलर फ्रिट्ज़ ने लोरेंजो मुसेट्टी को 6-3, 6-4 से हराया।

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप

विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए ऐश्वर्या ने जीता सिल्वर

एजेंसी ▶▶| काहिरा

ओलंपियन ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पुरुषों की 50 मीटर राइफल श्री पोजिशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। ऐश्वर्या ने 466.9 अंक हासिल किए और चीन के युकुन लियू (467.1) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का कांस्य पदक फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे (454.8) ने जीता।

फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय नीरज कुमार 432.6 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले 24 वर्षीय ऐश्वर्या ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पुरुषों की 50 मीटर राइफल श्री पोजिशन स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। ऐश्वर्या ने क्वालीफिकेशन में 597 (40 एक्स) का स्कोर बनाकर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की उनके हमवतन नीरज भी 592 अंकों के साथ फाइनल में पहुंच गए।

मनु और ईशा पदक से चूकीं

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पदक जीतने से चूक गईं। पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था लेकिन 14वें निशाने में 8.8 का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गईं और 139.5 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। हाल ही में चीन के निंगबो में विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने वाली ईशा भी दबाव में धैर्य नहीं दिखा सकीं। 20 वर्षीय यह निशानेबाज आठ निशानेबाजों के फाइनल में 10.7 के शानदार प्रदर्शन के बाद 14वें निशाने में 8.4 अंक ही बना पाईं और छठे स्थान पर रहीं।

चीन ओपन में जीती अनाहत, अभय और सेंथिलकुमार बाहर

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह ने शंघाई में चीन ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की लेकिन उनके हमवतन अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार पुरुष एकल के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। दुनिया की 38वें नंबर की खिलाड़ी दिल्ली की अनाहत ने मिस्र की मेना हामिद को इस पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में सीधे गेम में 11-6, 11-8, 11-3 से हराया। अनाहत अगले दौर में दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी सना इब्राहिम से भिड़ेंगी। अभय को फ्रांस के दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी बापतिस्ते मसोती ने 11-8, 11-7, 11-4 से हराया। सेंथिलकुमार को अपने से बेहतर रैंकिंग वाले मिस्र के मोहम्मद अबोलघर के खिलाफ 8-11, 12-14, 6-11 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

दीपिका और धीरज का एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

ढाका। स्टार तीरंदाज दीपिका कुमारी और धीरज बोम्मादेवरा ने टीम स्पर्धाओं में जगह बनाने से चूकने के बाद मंगलवार को एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप की रिकर्व स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत ने कम से कम तीन व्यक्तिगत पदक पक्के किए। क्वालीफिकेशन दौर में अपने हमवतन खिलाड़ियों के बीच अंतिम स्थान पर रहने के बाद टीम स्पर्धाओं में जगह बनाने में असफल रहे शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीयों दीपिका और धीरज ने व्यक्तिगत एलिमिनेशन शुरू होने पर जोरदार वापसी की। दीपिका ने शंघाई विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता कोरिया की ली गेह्युन को 7-3 से हराकर महिला रिकर्व सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना हमवतन अंकिता भकत से होगा। इस बीच अंकिता ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन कोरिया की जेंग मिन्ही को 6-4 से हराया। संगीता ने भी ईरान की जारे रेहाने को 7-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया जहां उनकी भिड़ंत कोरिया की नाम सुह्योन से होगी। दीपिका, अंकिता और संगीता तीनों के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ भारत के पास महिला रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में क्लीन स्वीप करने का मौका होगा पुरुष रिकर्व वर्ग में धीरज ने अपने खराब क्वालीफिकेशन दौर की भरपाई करते हुए उज्बेकिस्तान के अमीरखोन सादिकोव को शूट ऑफ में हराया।

एशियाई खेल 2014 की पदक विजेता तार गोला फेंक खिलाड़ी मंजू बाला पर डोपिंग के कारण पांच साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली। इंचियोन एशियाई खेलों की पदक विजेता तार गोला फेंक खिलाड़ी मंजू बाला पर नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) ने 2024 में प्रतिबंधित दवाओं के सेवन के लिए पॉजिटिव परीक्षण के बाद पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है।

एशियाई खेल 2014 में कांस्य पदक जीतने वाली मंजू का डिहाइड्रोक्लोरोमिथाइल-टेस्टोस्टेरोन (स्टेरॉयड) और सार्म्स एलजीडी-4033 (लिगैंड्रोल) के लिए परीक्षण पॉजिटव आया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने पिछले साल सितंबर में उनके डोपिंग में असफल होने की जानकारी सार्वजनिक की थी। एडीडीपी द्वारा 15 अक्टूबर को दिए गए फैसले के अनुसार उनका निलंबन 10 जुलाई 2024 से लागू होगा। एक अन्य एथलीट मोहन सैनी पर भी 14 अक्टूबर 2025 से चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। तीन बॉडीबिल्डर गोपाल कृष्णन, अमित कुमार और राजवर्धन संजय वास्कर पर छह-छह साल का प्रतिबंध लगाया गया है जबकि इसी खेल के शुभम महारा पर चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। मुक्केबाज सुमित पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है जबकि कैनोइस्ट नितिन वर्मा और बास्केटबॉल खिलाड़ी शिवेंद्र पांडे पर क्रमशः चार और छह साल का प्रतिबंध लगाया गया है। इस बीच एडीडीपी द्वारा 2024 में धावक हिमानी चंदेल पर चार साल का प्रतिबंध लगाने के फैसले को डोपिंग रोधी अपील पैनल ने बरकरार रखा है।

10 साल की अतीका ने हासिल की ऐतिहासिक पोल पोजीशन

एजेंसी ▶▶| अबू धाबी

भारत की युवा ड्राइवर अतीका मीर फॉर्मूला वन अकादमी की सीओटीएफए यूएई कार्टिंग सीरीज के शुरुआती दौर में ऐतिहासिक पोल पोजीशन हासिल करने के बाद तीसरे स्थान पर रही। दस वर्षीय अतीका पहली भारतीय रेसर हैं, जिन्हें फॉर्मूला वन ने अपने कार्यक्रम के लिए चुना है। चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर अकादमी (सीओटीएफए) की अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पहले से ही हिस्सा रही अतीका को पिछले महीने फॉर्मूला वन अकादमी ने दो राउंड की सीओटीएफए यूएई चैंपियनशिप के लिए चुना था। अतीका ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने पोल पोजीशन हासिल की और इस तरह से सीओटीएफए मिनी वर्ग में यह उपलब्धि हासिल करने वाली विश्व की पहली महिला बनीं। इसके बाद वह पोडियम पर पहुंचने में भी सफल रही।

मेरे लिए शानदार : अतीका

जम्मू कश्मीर की रहने वाली अतीका ने कहा, ' यह सप्ताहांत मेरे लिए शानदार रहा। मैंने क्वालिफिकेशन में पोल पोजीशन हासिल की। मैं फाइनल में जीतना चाहती थी लेकिन आखिर में तीसरे स्थान पर रही। यहां से मिली सीख से मैं आगे अपने प्रदर्शन में सुधार करने की कोशिश करूंगी।' अतीका के पिता और भारत के पहले राष्ट्रीय कार्टिंग चैंपियन आसिफ मीर का मानना है कि पोल पोजीशन और पोडियम हासिल करने के बावजूद यह मिश्रित सफलता वाला सप्ताहांत रहा। उन्होंने कहा, 'यह एक खट्टा मीठा सप्ताहांत रहा। मुझे लगता है कि हम फाइनल में जीत हासिल करने की अच्छी स्थिति में थे।

रोहित शर्मा 7 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी में लौटेंगे

-कोहली के खेलने पर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा लंबे वक्त के बाद फिर से घरेलू क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) को सूचित किया है कि वे इस साल की विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने पिछली बार यह टूर्नामेंट 2018 में खेला था, यानी लगभग 7 साल बाद वे इस मंच पर उतरेंगे। दूसरी तरफ, विराट कोहली के खेलने को लेकर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन (DDCA) को उनकी ओर से अब तक कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। कोहली ने आखिरी बार 2010 में विजय हजारे ट्रॉफी खेली थी, यानी उन्हें इस टूर्नामेंट से दूर हुए 14 साल हो चुके हैं।

BCCI का सख्त रुख – "टीम में रहना है तो घरेलू क्रिकेट खेलो"

हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने सभी वरिष्ठ खिलाड़ियों को साफ संदेश दिया था कि अगर वे वनडे और टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना ही होगा। बोर्ड का मानना है कि युवा खिलाड़ियों को मौका देने से पहले सीनियर खिलाड़ियों को घरेलू सर्किट में अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित करनी चाहिए। BCCI के इस निर्देश के बाद ही रोहित शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने का फैसला लिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फैसला उन्होंने खुद की लय बनाए रखने और मुंबई की युवा टीम को लीड करने की भावना से लिया है।

विजय हजारे ट्रॉफी का शेड्यूल और अहमियत

विजय हजारे ट्रॉफी भारत का एकमात्र घरेलू वनडे टूर्नामेंट है, जिसमें देशभर की राज्य टीमें हिस्सा लेती हैं। इस बार इसका आयोजन 24 दिसंबर से शुरू होगा। दिलचस्प बात यह है कि इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत-साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज (3 से 9 दिसंबर) और भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज (11 जनवरी से शुरू) के बीच रखा गया है। इसका मतलब है कि भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सीरीज के बीच घरेलू स्तर पर खेलने का एक शानदार मौका मिलेगा। यह उन्हें न सिर्फ फॉर्म में बनाए रखेगा, बल्कि घरेलू क्रिकेट की जड़ों से जोड़े रखेगा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज में शानदार प्रदर्शन

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। यह उनकी लगभग सात महीने बाद टीम में वापसी थी।

दिल्ली धमाके की घटना पर भूटान से प्रधानमंत्री मोदी की दो टूक...

धमाके के साजिशकर्ताओं सहित सभी दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा

कड़ी चेतावनी संग बोले रक्षा मंत्री, घटना की जांच जारी है, तथ्यों को जनता के सामने रखेंगे।

भारत को मिला अमेरिका, चीन, रूस, इजरायल समेत दुनियाभर के देशों से समर्थन।

⏭ नई दिल्ली

दिल्ली कार धमाके के ठीक अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मामले को लेकर बेहद सख्त अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। जिसमें उन्होंने यह साफ कर दिया कि किसी भी हालत में धमाके की इस घटना में शामिल षडयंत्रकारियों से लेकर अन्य दोषियों तक किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। सभी को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाएगा। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूं और आज पूरा देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है। पीएम मंगलवार से भूटान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं और उन्होंने यह जानकारी थिम्पू में चौथे भूटानी नरेश की 70वीं जयंती के मौके पर आयोजित किए गए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि आज मैं बहुत ही भारी मन से भूटान आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को बहुत व्यथित किया है। पीएम ने बताया कि मैं बीते 10 नवंबर की रात इस घटना की जांच कर रही सभी एजेंसियों के संपर्क में था। विचार-विमर्श चलता रहा। जानकारियों के तार जोड़े जा रहे थे। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा। बल्कि उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

भूटान के प्रति जताया आभार

प्रधानमंत्री ने भारत के साथ एकजुटता के भावपूर्ण प्रदर्शन के लिए भूटान की जनता का हार्दिक आभार व्यक्त किया। दिल्ली की दुखद घटना के बाद भूटान की जनता ने पीड़ितों और उनके परिजनों के लिए एक अनोखी प्रार्थना की। पीएम मोदी ने करुणा और एकता के इस अप्रतिम कार्य की सराहना करते हुए कहा कि मैं आपके द्वारा प्रदर्शित किए गए इस भाव को कभी नहीं भूलूंगा।

राजनाथ ने भी दी कड़ी चेतावनी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी नई दिल्ली में एमपी-इडसा नामक थिंक टैंक में एक कार्यक्रम में चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस धमाके की घटना की जांच चल रही है। जो कोई भी इस घटना के लिए जिम्मेदार होगा। उसे हम किसी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे।

भारत के पक्ष में खड़ी दुनिया

वहीं, इस घटना को लेकर अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी महाशक्तियों के अलावा दुनिया के कई अन्य देशों का समर्थन भारत को मिला है। जिसमें इजरायल, श्रीलंका, मालदीव, भूटान, नेपाल और आयरलैंड जैसे देश शामिल हैं। सभी ने अत्यंत दुख जताते हुए धमाके में मारे गए दर्जनभर से अधिक लोगों और घायलों के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं प्रकट की हैं। अमेरिका के विदेश विभाग के ब्यूरो ऑफ साउथ एंड सेंट्रल एशियन अफेयर्स ने एक्स पर पोस्ट में इस भीषण धमाके को लेकर संवेदनाएं प्रकट की और कहा कि अमेरिका लगातार हालात पर बेहद बारीकी से नजर बनाए हुए है। नई दिल्ली में हुई इस घटना से प्रभावित हुए लोगों के साथ हम खड़े हैं। घटना में जान गंवाने वाले पीड़ित परिवारों के प्रति हम अपनी ओर से संवेदनाएं जताते हैं।

चीन, रूस और अन्य देशों की प्रतिक्रिया

भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने एक्स पोस्ट में बताया कि दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट की घटना से दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। इसके अलावा चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, हम दिल्ली में हुई घटना से बुरी तरह से आहत हैं। मृतकों और घायलों को लेकर जियान ने संवेदनाएं प्रकट की हैं। राजधानी में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने एक्स पर कहा, इस घटना से हम स्तब्ध हैं। धमाके की जांच चल रही है, जिसके बाद इसके पीछे के कारणों का पता लग जाएगा। हम मृतकों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके कहा, दुख की इस घड़ी में श्रीलंका एकजुटता के साथ भारत के लोगों के साथ खड़ा है। घटना से हम स्तब्ध हैं और हमारी संवेदनाएं सभी प्रभावितों के साथ हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने कहा, धमाके से जुड़े शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं जताते हैं। मालदीव इस मुश्किल वक्त में भारत और उसकी आम जनता के साथ खड़ा है। इजरायल के राजदूत ने भी घटना पर दुख जताते हुए प्रभावितों के प्रति संवेदनाएं जताई और घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

ब्रिटेन ने जारी किया परामर्श

ब्रिटेन ने भारत की यात्रा पर जाने वाले और देश में पहले से मौजूद अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया है। जिसमें नई दिल्ली के आस पास के क्षेत्र में मौजूद ब्रिटेन के नागरिकों से कहा गया है कि वो स्थानीय अधिकारियों की सलाह के साथ ही मीडिया पर कड़ी नजर बनाए रखें। जम्मू-कश्मीर, मणिपुर के क्षेत्र के संबंध में भी परामर्श को समान रूप से लागू किया गया है। इसके अलावा भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के क्षेत्र में नागरिकों को यात्रा न करने का सुझाव भी इस परामर्श में दिया गया है। इसमें हालांकि वाघा सीमा को इससे बाहर रखा गया है। जिससे यात्री सीमा पार कर सकते हैं। परामर्श में भारत के संबंध में अन्य कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसका उद्देश्य यात्रियों द्वारा यात्रा संबंधी निर्णय लेते वक्त तमाम जोखिमों को उनके सामने प्रस्तुत करना बताया गया है। जिनकी अनदेखी करने पर उनका यात्रा बीमा अमान्य हो सकता है। ये परामर्श ब्रिटेन के एफसीडीओ का यात्रा संबंधी मार्गदर्शन है। न की सरकार की तरफ से लागू किया गया कोई नया कानून है।

राजदूत ने बताया सुरक्षा के लिए जरूरी

फिलिस्तीन ने कहा- यूएनएससी में भारत को शामिल करना जरूरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश ने कहा है कि भारत हमारा बड़ा भाई है और 1930 में महात्मा गांधी से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक हर भारतीय नेता ने फिलिस्तीन की हिमायत की है। शावेश ने यह बातें एक एक इंटरव्यू में कहीं।

राजदूत शावेश

शावेश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका इजराइल के पक्ष में वीटो करता है इसलिए भारत का वहां होना जरूरी है और अगर भारत सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बन जाए तो सौ फीसदी फैसला फलस्तीन के पक्ष में होगा, ऐसा हमें विश्वास है। उन्होंने कहा कि शर्मलशेख में हुए शांति प्रस्तावों के बाद भी अभी गाजा में हालात जस के तस बने हुए हैं। हम पर ये प्रस्ताव थोपे गए हैं लेकिन हम निराश नहीं हैं और हम राख के ढेर से भी उठ खड़े होंगे।

उन्होंने कहा कि हालांकि गाजा में जंग नहीं चल रही है बल्कि इजराइल न हमला किया है। यह एकतरफा कार्रवाई है जो दो साल से जारी है। इसमें 67 हजार से ज्यादा निर्दोष फिलिस्तीनियों की मौत हुई है, जिसमें बच्चे, बूढ़े, महिलाएं और मरीज तक शामिल हैं।

भुखमरी का शिकार बच्चे

अभी भी गाजा में सात हजार टन विस्फोटक पड़ा हुआ है जो वहां के जनजीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा है। बच्चे भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। स्कूल अस्पताल नष्ट हो चुके हैं। दो साल पहले सात अक्तूबर को हमास द्वारा इजराइल में घुस कर निर्दोष नागरिकों को मारने और उनके अपहरण के बारे में पूछने पर फलस्तीनी राजदूत ने कहा कि हमारे साथ 106 साल से जो अन्याय हो रहा है उसके आधार पर सात अक्तूबर को जो हुआ उसको जायज नहीं ठहराया जा सकता है।

खड़े ट्रक से टायर चोरी कर ले गए शातिर

रायपुर। मंदिर हसौद थाने में एक ट्रांसपोर्टर ने अज्ञात चोर के खिलाफ उसके दो ट्रकों के सात नग टायर, जिसकी कीमत तीन लाख रुपए है, चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिंगरोड में न्यू ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट के मालिक रियाज खान ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। रियाज ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर शनिवार-रविवार दरमियानी रात ट्रांसपोर्ट ऑफिस के बाहर खड़े उसके दो ट्रक के टायर चोरी कर ले गया।

11 साल बाद अवशेषों का अंतिम संस्कार हुआ

तेलअवीव। मध्य इजराइल में हजारों लोग इजराइली सैनिक

लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जिनका शव 11 वर्षों से गाजा में हमास के कब्जे में था। गोल्डिन के अंतिम संस्कार के दौरान कब्रिस्तान में भारी भीड़ थी । लोग इजराइल के राष्ट्रीय ध्वज के साथ मौजूद थे। लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का अंतिम संस्कार उनके परिवार के लिए भावुक करने वाला क्षण था, जिन्होंने अवशेषों को घर लाने के लिए एक अभियान चलाया था।

नेपाल में फिर भड़की हिंसा जमकर हुई तोड़फोड़

काठमांडु। नेपाल के मधेस प्रांत में सीपीएन-यूएमएल नेता सरोज

कुमार यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद हिंसा फैल गई। जनकपुरधाम के मुख्यमंत्री कार्यालय में तोड़फोड़ और सड़क जाम की घटनाएं हुईं। प्रांतीय प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने यादव को शपथ दिलाई, जबकि नेपाली कांग्रेस समेत सात दलों की दावेदारी नजरअंदाज की गई। जेन-जी के प्रदर्शन से उबर रहे नेपाल में अब मधेस में हिंसा भड़क गई है।

हाइवे पर उतरे इंडियन एयरफोर्स के फाइटर जेट

टच एंड गो और रन के बाद भरी उड़ान हुआ युद्धाभ्यास 'महा

जयपुर। राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर में ऑपरेशन सिंदूर चल रहा है, तो दूसरी तरफ इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार को बाड़मेर-जालौर की सीमा पर गांधव (बाखासर) में 'महा गजराज' युद्धाभ्यास किया। वायुसेना के जाबांजों ने भारत माला एक्सप्रेस-वे पर फाइटर जेट उतारे और इमरजेंसी लैंडिंग भी करवाई। भारत माला एक्सप्रेस वे हाईवे पर 925ए पर गांधव इलाके में 3 किलोमीटर लंबी और 33 मीटर चौड़ी बनी एयर स्ट्रिप पर यह नजारा देखने को मिला।

पाकिस्तान में सबसे ज्यादा पावरफुल हुए मुनीर

परमाणु हथियारों की कमांड भी संभालेंगे अब सेना प्रमुख

एजेंसी ⏭ इस्लामाबाद

पाकिस्तान में आसिम मुनीर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से भी ज्यादा ताकतवर होने जा रहे हैं। उन्हें तीनों सेनाओं का चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) बनाया जा रहा है। यह पद मिलते ही उन्हें परमाणु हथियारों की कमांड मिल जाएगी। शहबाज सरकार इसके लिए संविधान में बदलाव कर रही है। इससे जुड़ा बिल संसद के ऊपरी सदन सीनेट में पास किया

आसिम मुनीर

गया। इसके पक्ष में 64 वोट पड़े, ज ब कि विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। वहीं निचले सदन यानी नेशनल असेंबली में इस पर कल वोटिंग होगी। इसे 27वां संविधान संशोधन कहा जा रहा है। इसके जरिए सरकार सुप्रीम कोर्ट और अदालत की भी ताकत घटाने जा रही है। इस विधेयक को पाकिस्तान के इतिहास में सबसे बड़ा और विवादास्पद प्रस्ताव माना जा रहा है।

कहा जा रहा है कि यह देश की न्याय व्यवस्था और सैन्य ढांचे दोनों को बदलकर रख देगा। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार के पास दोनों सदनों में संशोधन पारित कराने के लिए पर्याप्त बहुमत मौजूद है। पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति के दस्तखत के लिए भेजा जाएगा।

उद्घाटन के 44 दिन बाद ढहा चीन का 758 मीटर लंबा होंगची ब्रिज

-भूस्खलन से पुल का हिस्सा नदी में समाया

चीन (एजेंसी)। चीन के सिचुआन प्रांत में हाल ही में उद्घाटन हुआ होंगची ब्रिज मंगलवार को एक बड़े हादसे का शिकार हो गया। करीब 758 मीटर लंबा यह पुल उद्घाटन के सिर्फ 44 दिन बाद ही आंशिक रूप से ढह गया। यह पुल चीन के राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाया गया था और मैदानी इलाकों को तिब्बत से जोड़ने वाला एक अहम मार्ग माना जा रहा था। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पुल के खंभे टूटते और धूल का बड़ा गुबार उठता नजर आ रहा है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, सोमवार दोपहर पुल के आसपास की पहाड़ी ढलानों और सड़कों में दरारें दिखनी शुरू हो गई थीं। भूगर्भीय हलचल के संकेत मिलते ही अधिकारियों ने तुरंत पुल को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया। इसके अगले ही दिन यानी मंगलवार दोपहर को हालात और बिगड़ गए। पहाड़

से भारी मात्रा में मिट्टी और पत्थर खिसकने लगे, जिससे पुल का एक बड़ा हिस्सा ताश के पत्तों की तरह गिरकर ढह गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक किसी व्यक्ति के घायल या मारे जाने की पुष्टि नहीं हुई है। हादसे के समय पुल पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी, जिससे एक बड़ा नुकसान टल गया। हालांकि, घटना ने चीन में इन्फ्रास्ट्रक्चर क्वालिटी और सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि होंगची ब्रिज का निर्माण कई वर्षों की मेहनत के बाद पूरा हुआ था। इसे 28 सितंबर 2025 को आधिकारिक रूप से यातायात के लिए खोला गया था। पुल की ऊंचाई घाटी के तल से करीब 625 मीटर थी, जो इसे इलाके के सबसे ऊंचे पुलों में से एक बनाती थी। यह पुल सिचुआन प्रांत के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों को जोड़ने वाला रणनीतिक ढांचा माना जा रहा था, जो चीन के दक्षिण-पश्चिमी भाग में आवागमन को सुगम बनाता। हालांकि अब इस हादसे के बाद इंजीनियरिंग विशेषज्ञ और स्थानीय प्रशासन कारणों की जांच में जुट गए हैं। प्राथमिक तौर पर माना जा रहा है कि भूस्खलन (लैंडस्लाइड) और जमीन की अस्थिरता इसकी मुख्य वजह हो सकती है। चीन के दक्षिण-पश्चिमी इलाके भूकंपीय गतिविधियों के लिए संवेदनशील माने जाते हैं। फिलहाल, सरकार ने तकनीकी टीमों को मौके पर भेजकर मलबा हटाने और भूगर्भीय स्थिरता का अध्ययन शुरू कर दिया है। यह हादसा चीन की तेज़ इंफ्रास्ट्रक्चर विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता और उनकी दीर्घकालिक सुरक्षा पर एक बड़ा चेतावनी संकेत माना जा रहा है।

ट्रम्प ने BBC पर ₹8,400 करोड़ का मुकदमा ठोका

-एडिटेड वीडियो से छवि खराब करने का आरोप

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ब्रिटेन की प्रमुख मीडिया संस्था BBC के बीच बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ट्रम्प के वकीलों ने BBC को कानूनी नोटिस भेजते हुए कहा है कि अगर संस्था ने उनकी डॉक्यूमेंट्री को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो उस पर 1 अरब डॉलर यानी लगभग ₹8,400 करोड़ का मानहानि का मुकदमा किया जाएगा। दरअसल, BBC ने अक्टूबर 2024 में अपनी डॉक्यूमेंट्री सीरीज़ "पैनोरमा" में 6 जनवरी 2021 को ट्रम्प की दो अलग-अलग भाषणों के हिस्सों को जोड़कर दिखाया था। वीडियो को इस तरह एडिट किया गया कि ऐसा प्रतीत हुआ मानो ट्रम्प ने एक ही भाषण में भड़काऊ बातें कहीं थीं। ट्रम्प की कानूनी टीम का आरोप है कि BBC ने जानबूझकर वीडियो को इस तरह संपादित किया ताकि उनकी छवि को नुकसान पहुंचे और उन्हें हिंसा के लिए जिम्मेदार दिखाया जा सके। ट्रम्प के प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह की "मीडिया मैनिपुलेशन" लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और BBC जैसे बड़े संस्थान से ऐसी गलती अस्वीकार्य है। उनका कहना है कि यह

मुकदमा फ्लोरिडा की अदालत में दायर किया जाएगा, क्योंकि वहां का कानून पीड़ित व्यक्ति को दो साल के भीतर मानहानि का केस दर्ज करने की अनुमति देता है। इस विवाद के बढ़ने के बाद BBC में भी हलचल मच गई। BBC के डायरेक्टर जनरल टिम डेवी और न्यूज CEO डेबोरा टर्नेस ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। BBC के चेयरमैन समीर शाह ने इस पूरे मामले पर खेद जताते हुए कहा कि संस्था ने 'संपादकीय गलती' स्वीकार कर ली है और सुधार के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, ट्रम्प की टीम का कहना है कि सिर्फ इस्तीफों से बात खत्म नहीं होगी — जब तक BBC औपचारिक रूप से माफी नहीं मांगता और क्षतिपूर्ति नहीं करता, वे कानूनी कार्रवाई जारी रखेंगे। यह मामला अब अमेरिकी और ब्रिटिश मीडिया जगत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जिम्मेदार पत्रकारिता पर नई बहस छेड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिटेन की प्रमुख मीडिया संस्था BBC के खिलाफ बड़ा कानूनी कदम उठाया है। ट्रम्प की कानूनी टीम ने BBC को नोटिस भेजते हुए चेतावनी दी है कि अगर संस्था ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो उस पर 1 अरब डॉलर (लगभग ₹8,400 करोड़) का मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। यह विवाद BBC की "पैनोरमा" डॉक्यूमेंट्री से जुड़ा है, जो अक्टूबर 2024 में रिलीज हुई थी। इसमें 6 जनवरी 2021 के दौरान ट्रम्प के दो अलग-अलग भाषणों को एडिट करके ऐसा दिखाया गया, जैसे उन्होंने ये बयान एक ही वक्त में दिए हों। ट्रम्प के वकीलों का कहना है कि BBC ने जानबूझकर यह संपादन किया ताकि ट्रम्प की छवि को नुकसान पहुंचे और उन्हें अमेरिकी कैपिटल हिंसा से जोड़ा जा सके। विवाद बढ़ने के बाद BBC के डायरेक्टर जनरल टिम डेवी और न्यूज CEO डेबोरा टर्नेस ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। BBC चेयरमैन समीर शाह ने खेद जताते हुए कहा कि संस्था ने गलती स्वीकार की है और सुधार के कदम उठाए जा रहे हैं। ट्रम्प की टीम का कहना है कि माफी और आर्थिक मुआवजा मिलने तक वे कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। यह मामला अब मीडिया की विश्वसनीयता और संपादकीय जवाबदेही पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

दिल्ली में एमपी-इडसा थिंक टैंक कार्यक्रम में बोले सीडीएस

जंग में कोई उप-विजेता नहीं होता, सिर्फ जीत ही सब कुछ होती है: चौहान

⏭ नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि युद्ध में केवल एक बात महत्वपूर्ण होती है। वो होती है सिर्फ जीत। इसके बजाय कोई उप-विजेता (सिल्वर मेडल) यानी द्वितीय पुरस्कार या किसी किस्म का कोई सांत्वना पुरस्कार इसमें नहीं होता है। जंग के साथ हालांकि राष्ट्रों का भविष्य और अस्तित्व दोनों जुड़े हुए होते हैं। यह जानकारी सीडीएस ने दिल्ली कार धमाके के अगले दिन मंगलवार को एमपी-इडसा नामक थिंक टैंक में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है। जिसमें उन्होंने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से यह अपील भी की कि वो आधुनिक तकनीक को आत्मसात करें और अपने विरोधियों से हमेशा एक कदम आगे बने रहें। क्योंकि यह तकनीक ही भावी युद्धों में जीत की कुंजी का कार्य करेगी।

तकनीक से पिछड़ गई रणनीति

सीडीएस ने ये भी कहा कि सैन्य कमांडर हर दौर और युग में रणनीति के जरिए ही अपने विरोधियों को धूल चटाने की कोशिश करते रहते हैं। युद्ध और उसमें मिलने वाली सफलता भी कहीं न कहीं इसी रणनीति पर निर्भर करती है। पूर्व में सैन्य रणनीति के केंद्र में संबंधित इलाके का भूगोल रहता था। लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। आज तकनीक ने रणनीति और भूगोल दोनों को पछाड़ दिया है। प्राचीन समय में पूरे का पूरा युद्ध कमांडरों की बेहतर रणनीति और युद्धकौशल की मदद से जीत लिया जाता था। लेकिन आज के युग में ड्रोन, साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अंतरिक्ष से जुड़ी हुई तकनीकों ने युद्ध के परिदृश्य को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। जिसकी वजह से जंग तकनीक पर निर्भर हो गई है।

मजबूत सिस्टम से मिली सफलता

उप-वायुसेनाप्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर भारत का एकीकृत एयर कमांड एंड कंट्रोल अच्छा और मजबूत नहीं होता तो हमें उतनी सफलता नहीं मिलती। जितनी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अब मिली है। इस सैन्य अभियान ने साफ तौर पर प्रदर्शित किया है कि कैसे एक शानदार और असरदार अभियान को अंजाम दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बीते दो दशक में हमारा ये नेटवर्क सिस्टम काफी विकसित हुआ है। जिसकी मदद से अब न केवल जरूरत पड़ने पर दुश्मन को करारा जवाब दिया जा सकता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,